mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-270 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
30 सितम्बर 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

सूर्यकुमार ने ट्रॉफी से...
@ पेज 7

'आई लव मोहम्मद' को लेकर महाराष्ट्र में तनाव

पुलिस ने भांजी लाठियां, हिरासत में 30 लोग

अहिल्यानगर, एजेंसी। अहिल्यानगर में 'आई लव मोहम्मद' विवाद को लेकर हुए प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के बाद कम से कम 30 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, किसी ने नवरात्रि के दौरान मुस्लिम समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक रंगोली बनाई थी। इसके बाद समुदाय के लोग शिकायत करने पुलिस स्टेशन पहुंचे और अपनी शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद एक एफआईआर दर्ज की गई और उस रंगोली को बनाने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, लेकिन समूह अभी भी नहीं माना और उन्होंने तोफखाना पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के तहत कोटला में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। अहिल्यानगर पुलिस ने बताया कि करीब आधे घंटे बाद जब पुलिस ने उन्हें अपना विरोध प्रदर्शन खत्म करने के लिए मनाने की कोशिश की, तो उन्होंने पथराव शुरू कर दिया। इसमें कुछ वाहनों को नुकसान हुआ है। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के

लिए लाठीचार्ज किया। इसके बाद भगदड़ मच गई। कुछ देर बाद स्थिति नियंत्रण में आ गई। इस दौरान सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस सोमनाथ घर्गे, एएसपी वैभव कुलबर्मे, डीएसपी दिलीप तिपारसे और शिरीष वामने, लोकल क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर किरण कुमार कबाड़ी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित भारी पुलिस बल सड़क पर मौजूद था।

डीएसपी ने की शांति बनाए रखने की अपील

इस घटना के बाद विधायक संग्राम जगताप ने शहर में लगे कुछ होर्डिंग्स हटाने की मांग को लेकर थाने में धरना शुरू कर दिया है। शहर में फैली तरह-तरह की अफवाहों के चलते बाजार की दुकानें बंद रहीं। शहर के डीएसपी दिलीप टिपरसे ने नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

सभी को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार- सीएम फड़नवीस

अहिल्यानगर की घटना पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फड़नवीस ने कहा, हमें देखना होगा कि क्या इसके पीछे कोई साजिश है। हमें यह भी देखना होगा कि कौन सामाजिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है। क्या कोई हमें उसी तरह ध्रुवीकृत करने की कोशिश कर रहा है जैसा लोकसभा चुनाव के दौरान किया गया था? सभी को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है, लेकिन इस तरह से लोगों के बीच तनाव पैदा करना गलत है।

आज माँ महागौरी का दिन

नवरात्रि का 8वां दिन माँ महागौरी को समर्पित है, जो देवी दुर्गा के आठवें स्वरूप हैं और उन्हें दुर्गाष्टमी या महा अष्टमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भक्त आत्मा और शरीर की पवित्रता प्राप्त करने, पिछले पापों को धोने और आध्यात्मिक शांति पाने के लिए माँ महागौरी की पूजा करते हैं। इस दिन कन्या पूजन भी किया जाता है, जिसमें युवा लड़कियों को देवी का अवतार मानकर पूजा जाता है।

दिल्ली के 300+ स्कूल, कई एयरपोर्ट्स को बम की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रविवार सुबह 300 से ज्यादा स्कूलों और संस्थानों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले। इसके साथ ही देश के कई एयरपोर्ट्स को भी ऐसी ही धमकियां मिलीं, लेकिन जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। ये धमकी भरे ईमेल टेरराइजर्स111 नाम के एक ग्रुप की ओर से भेजे गए थे, जो पहले भी ऐसी धमकियां दे चुका है।

सबरीमाला के सोने से बने चबूतरे के गायब होने के पीछे साजिश

मंत्री और टीडीबी ने की जांच की मांग

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल के देवस्वोम मंत्री वीएन वासवन और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) ने सोमवार सबरीमाला से गायब सोने से ढके पीड़म (चबूतरे) के मामले में साजिश का आरोप लगाया। यह पीड़म बाद में एक आयोजनकर्ता उन्निकृष्णन पोट्टी के रिश्तेदार के घर से बरामद हुआ।

वासवन ने उन्निकृष्णन पर आरोप लगाया कि उन्होंने पीड़म को छिपाकर एक नाटक रचा और फिर यह दावा किया कि पीड़म टीडीबी की देखरेख से गायब हो गया है। मंत्री ने कहा, हमारा मानना है कि पीड़म को छिपाने के बाद उन्निकृष्णन ने गायब होने का नाटक किया। इसलिए हमें शक है कि इसमें कोई साजिश है। उन्होंने कहा कि केरल हाईकोर्ट के निर्देशानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीड़म के गायब होने की जानकारी तब सामने आई, जब हाईकोर्ट ने द्वारपालक की मूर्तियों पर लगे चढ़ी सोने की ताम्र पट्टियों के वजन में कमी की जांच का आदेश दिया था। इस जांच के दौरान उन्निकृष्णन ने कहा कि उन्होंने ही 2019 में उस पीड़म को बनाया था, जो मंदिर से गायब हो गया था। टीडीबी की सतर्कता टीम ने बाद में पीड़म को उन्निकृष्णन के एक रिश्तेदार वेंजरामूडु के घर से खोज निकाला। टीडीबी के अध्यक्ष पी. एस. प्रशांत ने पीड़म की बरामदगी की सराहना की।

पीके बोले-सम्राट चौधरी 6 लोगों की हत्या के अभियुक्त,उनकी गिरफ्तारी हो

डिप्टी सीएम का जवाब-1997-98 में ही कोर्ट ने मुझे बरी किया है

पटना, एजेंसी। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने पटना में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और मंत्री अशोक चौधरी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, सम्राट चौधरी 6 लोगों की हत्या के अभियुक्त हैं। बिहार के राज्यपाल, बिहार सरकार और केंद्र सरकार से मेरा अनुरोध है कि ये हत्या के आरोपी हैं। इनको पद से हटा कर गिरफ्तार किया जाए। पीके ने कहा कि, तारापुर केस नंबर 44/1995 इनके खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट का डॉक्यूमेंट है, जो सम्राट चौधरी ने दिया है। नाबालिग होने के नाम पर इनको जेल से निकाला गया था। इनका जो इलेक्शन डॉक्यूमेंट है, जो

उन्होंने 2020 में दिया है। उसके अनुसार इनकी उस समय उम्र 26 साल होनी चाहिए।

सम्राट चौधरी की गिरफ्तारी होनी चाहिए वरना बिहार में जितने लोग हत्या के अभियुक्त हैं, उनको भी जेल से रिहा कीजिए। अगर पुलिस अरेस्ट नहीं करती है, तो हमलोग कोर्ट जाएंगे।

अशोक चौधरी बताएं 100 करोड़ की प्रॉपर्टी कैसे खरीदी

प्रशांत किशोर ने ग्रामीण निर्माण मंत्री अशोक चौधरी की प्रॉपर्टी और उनके 100 करोड़ की नोटिस पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, अशोक चौधरी की बेटी शांभवी चौधरी की शादी के बाद 100 करोड़ की प्रॉपर्टी न्यास बोर्ड की और से खरीदी गई है। वैभव विकास ट्रस्ट से पिछले 1 साल में 100 करोड़ की प्रॉपर्टी कैसे खरीदी गई है। जियालाल आर्य, अनीता कुणाल, किशोर कुणाल की पत्नी, प्रत्यय अमृत की सासू मां। ये तीनों बताएं कि, 100 करोड़ की प्रॉपर्टी कहां से खरीदी।

महाराष्ट्र में बारिश-बाढ़, 5 जिलों में 10 लोगों की मौत

12 हजार का रेस्क्यू; पुणे के तमहिनी में इस मानसून देश की सर्वाधिक बारिश

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के कई जिलों में पिछले दो दिन से लगातार बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में दस लोगों की मौत हो गई। इनमें नासिक जिले में 4, धाराशिव और अहिल्यानगर में दो-दो और जालना और यवतमाल में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

राज्य के विभिन्न हिस्सों से 11,800 से ज्यादा लोगों को बचाया गया। मराठवाड़ा क्षेत्र के छत्रपति संभाजीनगर, जालना, बीड, लातूर, नांदेड़, हिंगोली और परभणी जिलों में बाढ़ आ गई है। मुंबई में शनिवार रात से भारी बारिश हो रही है।

नासिक में गोदावरी नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार

महाराष्ट्र के औरंगाबाद में जयकवाड़ी डैम के सभी 27 गेट खोले गए

महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के 1219 गांवों में बाढ़ आ गई है। रविवार रात लगभग 12 बजे जिले के जयकवाड़ी डैम के सभी 27 गेट 10 फीट तक खोल दिए गए और गोदावरी नदी बेसिन में 3 लाख 6 हजार 540 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। चूंकि नदी बेसिन की क्षमता 1 लाख क्यूसेक है, इसलिए गोदावरी में भीषण बाढ़ आ गई।

कर गया है। शहर में नदी के किनारे रामकुंड इलाके के कई मंदिर जलमग्न हो गए हैं। पूरे महाराष्ट्र में NDRF की 16 टीमें तैनात की गई हैं। दो टीमों को पुणे में स्टैंडबाय पर रखा गया है।

पुणे जिले की मुलशी तहसील स्थित सुरम्य तमहिनी घाट में इस मानसून सीजन 9,000 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। यह इस साल भारत का सबसे अधिक बारिश वाला स्थान बन गया है। अब तक पूर्वोत्तर राज्य मेघालय के चेरापूंजी और मौसिनराम गांवों में सबसे ज्यादा बारिश होती थी।

राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी,कांग्रेस ने शाह को लेटर लिखा

दावा:भाजपा प्रवक्ता ने टीवी पर कहा था- सीने में गोली मारी जाएगी

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 28 सितंबर को गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी, जिसमें पूर्व ABVP नेता की टीवी पर बहस के दौरान राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी देने का जिक्र है। लेटर में कहा गया कि BJP प्रवक्ता के खिलाफ तुरंत कार्रवाई न होना राहुल गांधी के खिलाफ हिंसा में मिलीभगत माना जाएगा।

वेणुगोपाल ने अमित शाह को लिखा- यह धमकी किसी छोटे पदाधिकारी की लापरवाही भरा रिएक्शन नहीं है। यह जानबूझकर फैलाए गए नफरत के जहरीले वातावरण का असर है। जो विपक्ष के नेता को असुरक्षित बनाता है। अब यह आपकी

जिम्मेदारी है कि आप बताएं आपकी पार्टी और सरकार किस विचारधारा के पक्ष में हैं।

दरअसल, केरल में एक न्यूज चैनल पर लद्दाख हिंसा पर लाइव बहस चल रही थी। इस दौरान भाजपा की तरफ से बोलने आए पूर्व ABVP नेता प्रिंटू महादेव ने कहा था कि राहुल गांधी को सीने में गोली मार दी जाएगी।

एक्टर विजय के घर को बम से उड़ाने की धमकी

उनकी रैली में भगदड़ से अब तक 41 मौतें; CBI जांच की मांग, हाईकोर्ट में सुनवाई टली

करूर, तमिलनाडु ,एजेंसी। तमिल सिनेमा के एक्टर विजय के नीलांकरई स्थित घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। चेन्नई पुलिस को रविवार रात कॉल में बताया गया कि घर में बम रखा है। पुलिस ने तुरंत एक्टर के घर की सुरक्षा बढ़ाई और बम स्क्वॉड ने तलाशी ली। हालांकि, अब तक विस्फोटक मिलने की खबर नहीं है। उधर, विजय की चुनावी रैली में हुई भगदड़ में मरने वालों की संख्या 41 पहुंच गई है। रविवार को 65 साल की घायल महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कुल 41 मृतकों में 18 महिलाएं, 13 पुरुष और 10 बच्चे शामिल हैं। 95 लोग घायल हैं, जिनमें से 51 ICU में भर्ती हैं। तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय ने शनिवार को चुनावी रैली की थी। इसमें 10 हजार लोगों की परमिशन थी, लेकिन 30 हजार से ज्यादा लोगों की भीड़ आ गई। इससे भगदड़ मच गई। विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) की याचिका दायर पर मद्रास हाईकोर्ट में सुनवाई टल गई है।

चैतन्यानंद ने 50 दिन में 15 होटल बदले,सस्ते ठिकाने चुनता था, फोन पासवर्ड भूलने का दावा किया

इंस्टीट्यूट की 17 स्टूडेंट्स के शोषण का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट का पूर्व हेड, 62 साल का स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी गिरफ्तारी से पहले लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। पिछले 50 दिनों के दौरान उसने 15 होटल बदले। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह पुलिस से बचने के लिए बिना सीसीटीवी कैमरों वाले सस्ते होटलों में ठहरता था। वह उत्तर प्रदेश के धार्मिक शहरों वृंदावन, मथुरा में भी छिपा रहा। चैतन्यानंद के करीबी उसके लिए होटल चुनते थे।

शनिवार को वह आगरा के एक होटल में ठहरा था। रविवार सुबह 3:30 बजे पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने उसे 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। पुलिस अब उसके करीबियों की तलाश कर रही है। चैतन्यानंद के पास से पुलिस को आईपैड और तीन फोन बरामद हुए। इनमें से एक फोन में छात्रावास के सीसीटीवी फुटेज हैं, जिसके जरिए वह छात्राओं पर नजर रखता था। सूत्रों ने बताया कि उसने पूछताछ दावा किया कि वह अपने फोन और अन्य डिजिटल उपकरणों के पासवर्ड भूल गया है।

अमृतसर आ रही ट्रेन के 2 एसी कोच पीछे छूटे,पहले महाराष्ट्र, फिर गुजरात में अलग हुए वही डिब्बे

अमृतसर,एजेंसी। मुंबई के बांद्रा टर्मिनस से अमृतसर आ रही पश्चिम एक्सप्रेस (गाड़ी नंबर 12925) ट्रेन के 2 एसी कोच कुछ ही मिनटों के अंतराल में 2 बार अलग होकर पीछे छूट गए। ये हादसे तब हुए, जब ट्रेन चल रही थी। पहली बार हादसा महाराष्ट्र, और दूसरी बार गुजरात में हुआ। इसके चलते यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल उठे। हालांकि, रेलवे ने तुरंत कदम उठाते हुए उन डिब्बों को बदल दिया, जो बार-बार ट्रेन से अलग हो रहे थे। बताया गया है कि कपलिंग में तकनीकी खराबी आने से ये घटनाएं हुईं। सभी यात्रियों को सुरक्षित रवाना कर दिया गया। फिलहाल, यह ट्रेन 3 घंटा लेट है। **रेलवे ने बयान जारी कर बताया- कपलिंग में आई दिक्कत :**इस घटना के बाद वेस्टर्न रेलवे ने अपना बयान जारी किया। इसमें कहा गया- ट्रेन संख्या 12925 बांद्रा टर्मिनस-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस में वनगांव और दहानू रोड स्टेशन के बीच, 1 और A2 कोच की कपलिंग में तकनीकी समस्या आई थी। ट्रेन के वलसाड स्टेशन पहुंचने के बाद खराब कोच को बदल दिया गया और सभी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए गए। बयान में आगे कहा गया है- यात्रियों की सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही। रेलवे कर्मचारियों को यात्रियों की सहायता के लिए तैनात किया गया, ताकि वे अपना सामान एक कोच से दूसरे कोच में शिफ्ट कर सकें और यात्रियों को रिफ्रेशमेंट भी परोसा गया।

असम में मटक समेत 6 आदिवासी समुदाय सड़कों पर उतरे

अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग कर रहे; राज्य की आबादी में इनकी हिस्सेदारी 12 प्रतिशत

गुवाहाटी,एजेंसी। असम इन दिनों अपने मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग की मौत का मातम मना रहा है। हर घर शोक में डूबा है, लेकिन यहां की सरकार एक नई चुनौती का तनाव महसूस कर रही है। यह तनाव है यहां की 6 आदिवासी जनजातियों का। बीते 10 दिन में असम का मटक समुदाय सड़कों पर है।

मटक समुदाय दो बड़ी रैलियां कर चुका है। हर बार 30 से 40 हजार आदिवासी हाथ में मशाल लेकर सड़कों पर उतरे हैं। रैली डिब्रूगढ़ में हुई, लेकिन इसकी धमक गुवाहाटी समेत पूरे राज्य में

महसूस की गई। यह समुदाय खुद के लिए अनुसूचित जनजाति का दर्जा और सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और प्रशासनिक फैसले खुद ले सकने की मांग कर रहा है।

अकेले मटक समुदाय ही नहीं, पांच अन्य जनजातियां भी हैं, जो सड़कों पर उतरी हैं। ये राज्य की कुल आबादी का करीब 12% हैं।

इस आंदोलन की कमान भी युवा ही संभाल रहे हैं। रैली की भीड़ में ज्यादातर आबादी 30 साल से कम की है। ऑल असम मटक स्टूडेंट यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष संजय हजारिका ने बताया,

हम मूल रूप से जनजाति हैं, लेकिन आज तक हमें दर्जा नहीं मिला। मौजूदा सरकार ने हर बार हमसे धोखा किया। लिहाजा अब हम आंदोलन तब तक जारी रखेंगे, जब तक कोई समाधान नहीं निकलता। मटक बहुल हर जिले में रैली निकालेंगे। नई दिल्ली जाकर विरोध दर्ज कराएंगे। दरअसल, मटक समुदाय की मांग काफी पुरानी है और इस बारे में उनके प्रतिनिधियों की सरकार के साथ कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन समाधान नहीं निकल पाया। अब असम में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, इसलिए सीएम हिमंता बिस्व सरमा तनाव में हैं। वो बार-बार मटक समुदाय को बातचीत के लिए बुला रहे हैं, लेकिन समुदाय ने मना कर दिया है। वो सड़कों पर उतर आया है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बड़ी कार्रवाई, राजधानी एक्सप्रेस से 85 किलो गांजा बरामद, लाखों में कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 85 किलो गांजा बरामद हुई है। आरपीएफ ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 85 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जिसकी अनुमानित कीमत 42.50 लाख रुपये है। यह कार्रवाई ट्रेन नंबर 20505 डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के टीटीई से मिली सूचना के आधार पर की गई। आरपीएफ की टीम ने 28 सितंबर 2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 15 पर ट्रेन के कोच बी-9 और बी-10 में बर्थ के नीचे छोड़े गए।

दो ट्रॉली बैग और चार बैकपैक बरामद किए गए हैं। इन बैगों की जांच करने पर छह पैकेट में गांजा पाया गया, जिसमें प्रत्येक बैग में एक-एक पैकेट था। कुल 85 किलोग्राम गांजे को जब्त किया गया।

दिल्ली में फिर दर्दनाक हादसा: मुकुंदपुर फ्लाईओवर पर बेकाबू कार का कहर, एक परिवार के तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में रविवार रात एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की जान चली गई। दरअसल एक ही बाइक पर सवार होकर पिता-पुत्र व 10 साल का नाती द्वारका से नॉर्थ घोंडा अपने घर लौट रहे थे। आउटर रिंग रोड, मुकुंदपुर फ्लाईओवर पर इनकी कार को पीछे से किसी तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। बाइक का संतुलन बिगड़ा तो इनकी बाइक सड़क पर गिर गई। पीछे से आ रही एक अन्य कार तीनों को रौंदती हुई निकल गई। हादसे में मोहम्मद शाहिद (65), इनके बेटे मोहम्मद फैज (28) और शाहिद के 10 साल के नाती हमजा की मौत हो गई। हादसा रविवार देर रात करीब 12 बजे के आसपास हुआ। हादसे के बाद दोनों ही कार चालक मौके से फरार हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर भारी जाम लग गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेजा। मामले की छानबीन जारी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से कार चालकों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत के बाद परिवार में मातम का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार ने आरोपी को जल्द से जल्द पकड़कर इंसाफ की गुहार लगाई है।

एक और बम की धमकी से एयरपोर्ट और स्कूलों में मचा हड़कंप, जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रविवार की सुबह एक बार फिर से बम धमाके की धमकी ने हड़कंप मचा दिया। दिल्ली एयरपोर्ट, महरौली सीनियर सेकेंड्री स्कूल, द्वारका के सीआरपीएफ स्कूल सहित कई संस्थानों को ईमेल के जरिए बम रखने की धमकी मिली। धमकी भरे ईमेल के बाद दिल्ली पुलिस, बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड, फायर विभाग और आपदा प्रबंधन की टीमें तुरंत हरकत में आईं। घंटों चली गहन जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, जिसके बाद पुलिस ने इसे झूठी (हॉक्स) कॉल करार दिया। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, दिल्ली के 300 से ज्यादा स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल भेजे गए। इस घटना ने कुछ देर के लिए प्रशासन और प्रभावित संस्थानों में तनाव का माहौल पैदा कर दिया।

देशभर में फैली धमकी, जम्मू एयरपोर्ट भी निशाने पर: पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह धमकी भरा ईमेल न केवल दिल्ली, बल्कि देश के अन्य हिस्सों, जिसमें जम्मू एयरपोर्ट भी शामिल है, में भी भेजा गया। दिल्ली पुलिस ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करते हुए, सभी प्रभावित स्थानों पर जांच की। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तकनीकी जांच शुरू कर दी है, ताकि ईमेल के स्रोत का पता लगाया जा सके। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि धमकी भरा मेल किस सर्वर से भेजा गया। सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं। पहले भी आ चुकी हैं ऐसी धमकियां पिछले कुछ महीनों में दिल्ली में इस तरह की झूठी धमकियों के कई मामले सामने आ चुके हैं।

अफगानिस्तान ने एक और अमेरिकी नागरिक को छोड़ा

वाशिंगटन/काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान ने एक और अमेरिका नागरिक को छोड़ दिया है। आमिर अमीरी इस साल अफगानिस्तान की जेल से आजाद होने से वाले पांचवें नागरिक हैं। अमीरी की रिहाई में कतर ने महत्वपूर्ण राजनयिक भूमिका निभाई। वाशिंगटन ने इसके लिए दोहा का आभार जताया है। एबीसी न्यूज (अमेरिका) और द एक्सप्रेस ट्रिब्यून (पाकिस्तान) की रविवार की रिपोर्ट में अमीरी को रिहा करने की पुष्टि की गई है।

अमेरिका के विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को जारी बयान में अमेरिकी नागरिक आमिर अमीरी की रिहाई की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अमीरी को अफगानिस्तान में गलत तरीके से हिरासत में लिया गया था। अमीरी के रूप में इस साल अफगानिस्तान ने पांचवें नागरिक को अमेरिका को सौंपा है। रुबियो ने बयान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व और उनकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने अमीरी की रिहाई सुनिश्चित करने में मदद के लिए कतर को भी श्रेय दिया। रुबियो ने कहा, आज, राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व और अमेरिकी जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण अमेरिका अफगानिस्तान में गलत तरीके से हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिक आमिर अमीरी का स्वदेश वापसी पर स्वागत करता है।

उत्तर-पूर्वी दिल्लीवाले ध्यान दें : नंदनगरी फ्लाईओवर शुरू, लाखों को मिली जाम से राहत; लेकिन अभी एक अड़चन बाकी

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। नंदनगरी से गगन सिनेमा चौक के बीच वजीराबाद रोड पर बना छह लेन का फ्लाईओवर रविवार को जनता के लिए खोल दिया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा, सांसद मनोज तिवारी और विधानसभा के डिप्टी स्पीकर मोहन सिंह बिष्ट के साथ इसका उद्घाटन किया। दिल्ली सरकार का कहना है कि फ्लाईओवर के शुरू होने से क्षेत्र के लाखों लोगों को जाम से निजात मिली है। वहीं, दिल्ली से गाजियाबाद की आवाजाही में भी सुधार होगा।इस फ्लाईओवर का नंदनगरी, गोकुलपुरी, सीलमपुर, भजनपुरा, करावल नगर और यमुना विहार जैसे इलाकों के लोग लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। यहां से गुजरने वाले यात्रियों को रोजाना गगन सिनेमा और नंदनगरी चौक पर भारी जाम का सामना करना पड़ रहा था। सुबह दफ्तर जाने और शाम को घर लौटने के समय यह जाम कई-कई किलोमीटर लंबा हो जाता था। फ्लाईओवर खुलने से सबसे ज्यादा राहत दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों, स्कूल-कॉलेज के छात्रों, और गाजियाबाद की ओर से आने-जाने वाले वाहन चालकों को मिलेगी। ट्रांसपोर्ट कारोबार से जुड़े लोगों को भी बड़ा फायदा होगा। मालवाहक ट्रकों को अब पहले की तरह चौराहों पर लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इससे माल ढुलाई समय पर होगी और परिवहन लागत में भी कमी आएगी।

प्रदूषण घटेगा, ईंधन बचेगा- दिल्ली सरकार : दिल्ली सरकार ने दावा किया है कि

फ्लाईओवर शुरू होने के बाद जाम से निजात मिलेगी। हर साल करीब 856 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन घटेगा। यह उतना ही है जितना 35 हजार पेड़ सालभर में सोख सकते हैं। इसके अलावा हर दिन लगभग 8.06 लाख रुपये का ईंधन बचेगा और करीब 14,667 घंटे यात्रियों का कीमती समय बचेगा। फ्लाईओवर खुलने के साथ ही नंदनगरी और गगन सिनेमा चौक पर सिग्नल हटा दिए गए हैं। चौराहों पर ट्रैफिक प्रबंधन के लिए कई यू-टर्न बनाए गए हैं। नंदनगरी के पास स्थित मीडियन रोड और आईजीएल सीएनजी पंप की ओर जाने वाला रास्ता बंद कर दिया गया है। अब इन स्थानों तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक यू-टर्न का इस्तेमाल करना होगा। इससे ट्रैफिक फ्लो लगातार बना रहेगा।

35 फीसदी बिजली की बचत : छह लेन के फ्लाईओवर की लंबाई 1.5 किलोमीटर और चौड़ाई 22 मीटर है। सड़क पर ऊर्जा बचाने के लिए एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं जिससे 35 फीसदी बिजली की बचत होगी। साथ ही, वर्षा जल संचयन की व्यवस्था भी भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के मानकों के तहत की गई है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों का कहना है कि इससे स्थानीय भूजल स्तर को फायदा पहुंचेगा।

देरी से बढ़ी फ्लाईओवर की लागत: फ्लाईओवर का निर्माण 14 माह देरी से पूरा हुआ। 27 पेड़ों को हटाने की अनुमति न मिलने से काम रुका रहा। बाद में पेड़ों को दूसरी जगह प्रत्यारोपित कर काम को आगे बढ़ाया गया। इससे लागत 29 करोड़ रुपये बढ़ गई और कुल 180 करोड़ रुपये खर्च हुए।

यमुनापार व ग्रामीण विकास बोर्ड के लिए एक-एक हजार का बजट : दिल्ली सरकार ने यमुनापार और ग्रामीण इलाकों के विकास के लिए बड़ी घोषणा की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नंदनगरी फ्लाईओवर के उद्घाटन के दौरान कहा कि यमुनापार विकास बोर्ड और ग्रामीण विकास बोर्ड के लिए 1000-1000 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। सरकार का लक्ष्य है कि किसी भी विकास परियोजना में धन की कमी आड़े न आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 11 साल में एक भी फ्लाईओवर नहीं बना जबकि मौजूदा सरकार ने अधूरे पड़े प्रोजेक्ट पूरे कर लोगों को समर्पित किए हैं। वहीं, सांसद मनोज तिवारी ने क्षेत्र की सड़क और नालों की समस्याएं उठाई और जेल रोड, सेवाधाम रोड तथा फुटओवर ब्रिज जैसी परियोजनाओं पर जल्द काम शुरू करने की अपील की।

जनता के करोड़ों रुपये बचाए गए

लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि इस नंदनगरी फ्लाईओवर के उद्घाटन से दिल्ली की जनता के करोड़ों रुपये बचाए गए हैं, क्योंकि सरकार बड़े-बड़े विज्ञापनों पर विश्वास नहीं बल्कि जमीन पर हो रहे वास्तविक कार्यों पर भरोसा करती है। यह परियोजना केवल 27 पेड़ों के कारण 1 वर्ष 4 माह तक अटकी रही। इसके समाधान के लिए वर्तमान दिल्ली सरकार ने अनुमति प्रक्रिया का नियमित रूप से पालन किया और सुनिश्चित किया कि फ्लाईओवर जल्द जनता के लिए तैयार हो।

लेकिन अभी अड़चन बरकरार

सिग्नेचर ब्रिज से गाजियाबाद के भोपुरा तक की आवाजाही के लिए नया फ्लाईओवर शुरू होने के बाद भी मार्ग पूरी तरह सिग्नल फ्री नहीं हुआ है। नए फ्लाईओवर के लिए नंदनगरी और गगन सिनेमा चौक पर दो सिग्नल बंद कर दिए गए हैं लेकिन इसी मार्ग पर डबल डेकर फ्लाईओवर का भी निर्माण हो रहा है। इसका काम पूरा होने के बाद ही लोगों की राह आसान हो पाएगी। दरअसल, गाजियाबाद के पास भोपुरा बॉर्डर से सिग्नेचर ब्रिज तक लगभग सात किलोमीटर के सफर को सिग्नल फ्री करने के लिए दो फ्लाईओवर बनाने की योजना बनाई गई थी। इसमें नंद नगरी और गगन सिनेमा चौक का सिग्नल बंद करने के लिए फ्लाईओवर और भजनपुरा सिग्नल को खत्म करने के लिए डबलडेकर फ्लाईओवर का निर्माण शामिल है। अभी नंदनगरी फ्लाईओवर जनता के लिए सौंपा गया है जबकि डबल डेकर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। इसका निर्माण पीडब्ल्यूडी और दिल्ली मेट्रो मिलकर कर रहे हैं। ऊपर वाले हिस्से पर मेट्रो चलेगी जबकि नीचे वाले वायाडक्ट पर यातायात चलेगा। अधिकारियों ने बताया कि नंदनगरी से गगन सिनेमा फ्लाईओवर जहां खत्म होगा, उसके आगे लोनी गोलचक्कर फ्लाईओवर पहले से है। फिर गोकलपुर फ्लाईओवर मिलेगा। इसके बाद भजनपुरा सिग्नल को खत्म करने के लिए मेट्रो के साथ डबलडेकर फ्लाईओवर बन रहा है।

ऊंटनी के दूध से बना बिस्कुट शुगर के मरीजों के लिए वरदान, 100 ग्राम 1 यूनिट इंसुलिन के बराबर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऊंटनी के दूध से बना बिस्कुट शुगर के मरीजों के लिए वरदान बनेगा। वैज्ञानिकों का मानना है कि हाई प्रेशर नॉन थर्मल प्रोसेसिंग की आधुनिक तकनीक से तैयार ये बिस्कुट पोषण से भरपूर हैं। भारत मंडपम में रविवार तक लगे वर्ल्ड फूड इंडिया मेले में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के इस नए खाने-खजाने को दुनिया के सामने पेश किया गया। जल्द ही इसके दिल्ली सहित देशभर के बाजारों में आने की उम्मीद है। वैज्ञानिक ये मानते हैं कि ऊंट का दूध औषधीय गुणों से भरपूर होता है। ये शुगर के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। आम तौर पर ऊंट का दूध जल्दी खराब हो जाता है। उबालने से इसकी पोषकता घट जाती है। यहीं से केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सोनीपत कुंडली में स्थापित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान (निफ्टम) के वैज्ञानिकों की रिसर्च टीम को एक अनोखा विचार आया कि आखिर कैसे इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखने के साथ स्वादिष्ट रूप दिया जाए। बीकानेर से ऊंट का दूध मंगाया। फिर उंटनी के दूध को हाई

प्रेशर नॉन थर्मल प्रोसेसिंग (उच्च दबाव पर बिना गर्म किए) करने से इससे माइक्रोब्स (सूक्ष्मजीव) नष्ट हो गए और दूध की उम्र बढ़ गई। फिर दूध को पाउडर में बदलकर खास कम्प्रेशन (दबाव) तकनीक से बिस्कुट जैसे गोल आकार में तैयार किया गया। यह दो स्वादों, इलायची और वनीला में उपलब्ध है। इसके 20 ग्राम के बिस्कुट में करीब 20 फीसदी प्रोटीन, 19.3 फीसदी फैट और करीब 48 फीसदी कार्बोहाइड्रेट है। एसोसिएट प्रोफेसर अंकुर ओझा ने बताया कि करीब 100 ग्राम बिस्कुट 1 यूनिट इंसुलिन के बराबर है।

कम कैलोरी, अधिक फाइबर वाला हनी पाउडर: निफ्टम के निदेशक डॉ. हरिंदर ओबरॉय ने बताया कि संस्थान ऐसे अनेक शोध किए हैं। खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी चोपड़ा ने शहद को बिल्कुल नए और टिकाऊ रूप में हनी पाउडर के रूप में विकास किया है। यह बिना कृत्रिम रसायन प्रक्रिया के तैयार किया गया है। शहद के पारंपरिक स्वाद, सुगंध और औषधीय गुणों को बरकरार रखा है। स्वास्थ्य के लिए यह उत्पाद लाभदायक है। इसमें कैलोरी कम और फाइबर की मात्रा अधिक है, जिससे ये जल्दी पचेगा। हनी पाउडर को हर्बल चाय, बेकरी उत्पाद, हेल्थ सप्लीमेंट्स, पेय और बाकी खाद्य उत्पादों में मिला सकते हैं।

कांग्रेसी नेता का मर्डर : नौ साल पहले हुई पिटाई का बदला, नाबालिग बेटे संग पहले बैट से पीटा फिर मारीं चार गोली

दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में शुक्रवार सुबह प्रॉपर्टी डीलर व कांग्रेसी नेता लखपत सिंह कटारिया उर्फ लख्खी की हत्या नौ साल पुरानी रंजिश में की गई थी। हत्यारोपी खुशीराम (47) ने पुलिस पूछताछ में यह बात बताई। खुशीराम और उसके 17 वर्षीय बेटे को पुलिस ने लखपत की हत्या के आरोप में पकड़ा है। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि पूछताछ में खुशीराम ने बताया कि 9 जनवरी 2016 को एक प्लॉट बेचने को लेकर हुए विवाद में लखपत ने अपने भाई धर्मेंद्र और कुछ लोगों के साथ मिलकर उसे जमकर पीटा था।

हाथ-पैर टूटने के कारण वह 9 माह बिस्तर पर था। तभी उसने बदला लेने की ठान ली थी। शुक्रवार को वह पिस्टल, क्रिकेट बैट के साथ अपने नाबालिग बेटे के साथ विजय मंडल पार्क पहुंचा। आरोपियों ने पहले लखपत सिंह को बैट से बुरी तरह पीटा। बाद में चार गोलियां मारकर उनकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपियों के पास से

वारदात में इस्तेमाल बाइक व अन्य सामान बरामद कर लिया है। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि लखपत सिंह कटारिया परिवार के साथ बेगमपुर इलाके में रहते थे।

लखपत का था प्रॉपर्टी का कारोबार : इनके परिवार में पत्नी वीरमति, बेटा शिवम और एक बेटी है। लखपत कांग्रेस से जुड़े थे। उनका प्रॉपर्टी का कारोबार था। रोजाना मॉर्निंग वॉक के लिए घर से विजय मंडल पार्क में जाते थे। शुक्रवार सुबह वह पार्क में पहुंचे तो दो लोगों ने उन्हें बैट से पिटना शुरू कर दिया। पार्क के गार्ड उन्हें बचाने आए तो आरोपियों ने पिस्टल तान दी। बाद में आरोपियों ने लखपत सिंह को चार गोली मार दी। टांग, पेट, गर्दन व सिर में गोली लगने से उनकी मौत हो गई। बाद में आरोपी बाइक पर मौके से फरार हो गए।

18 का होने से एक दिन पहले ली जान : पुलिस को पता चला है कि खुशीराम का बेटा 27 सितंबर 2025 को 18 साल का होने वाला था। खुशीराम उससे पहले ही वारदात को अंजाम देकर बेटे को नाबालिग होने का फायदा दिलाना चाहता था। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी सीधे घर पहुंचे। पुलिस ने बाइक भी बरामद कर ली है।

लखपत सिंह की हत्या के बाद मालवीय नगर थाना पुलिस ने रूट पर लगे 650 सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की।

एनबीए ने आंध्र प्रदेश जैव विविधता बोर्ड को रेड सैंडर्स के संरक्षण के लिए मंजूर किए 82 लाख रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई स्थित राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने आंध्र प्रदेश जैव विविधता बोर्ड को रेड सैंडर्स (रक्त चंदन) पौध प्रजाति के संरक्षण के लिए 82 लाख रुपये की राशि मंजूर की है। इस पहल के अंतर्गत एक लाख रेड सैंडर्स पौध तैयार किए जाएंगे, जिन्हें बाद में किसानों को वितरित किया जाएगा। पर्यावरण मंत्रालय ने सोमवार के एक बयान में बताया कि यह धनराशि रेड सैंडर्स का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं से प्राप्त लाभ-साझेदारी की रकम से दी गई है, जिसे पुनः हितधारकों तक संरक्षण कार्यों के लिए पहुंचाया जा रहा है। यह धनराशि हितधारकों द्वारा प्राप्त बिक्री मूल्य या आय के अतिरिक्त है। यह स्वीकृति जैव विविधता अधिनियम, 2002 (संशोधित 2023) के अंतर्गत पहुंच और लाभ-साझेदारी तंत्र के सफल क्रियान्वयन का उदाहरण है। इस तंत्र के अंतर्गत जैव संसाधनों की पहुंच को नियंत्रित किया जाता है, साथ ही लाभ का न्यायपूर्ण एवं समान बंटवारा स्थानीय समुदायों, व्यक्तियों और जैव विविधता प्रबंधन समितियों तक सुनिश्चित किया जाता है।

रेड सैंडर्स, जो दक्षिणी पूर्वी घाट की मूल प्रजाति है और विशेष रूप से अनंतपुर, चित्तूर, कडपा और कुरनूल जिलों में पाई जाती है, अपने उच्च वाणिज्यिक मूल्य के कारण लंबे समय से तस्करी के गंभीर खतरे में रही है। यह प्रजाति वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अंतर्गत संरक्षित है और लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय में सूचीबद्ध है, जहां इसके अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कड़े प्रतिबंध हैं।

अवैध रूप से भारत में रह रहे दो बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस की ऑपरेशन सेल ने भारत में दो अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपित मोहम्मद अब्दुल अजीज मियां और मोहम्मद रफीकुल पिछले दो साल से बिना वैध वीजा दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे। पुलिस ने फिलहाल सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) की मदद से उन्हें बांग्लादेश भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने सोमवार को बताया कि स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर विजय बालियान की टीम को सूचना मिली कि महिपालपुर एक अवैध बांग्लादेशी नागरिक रूका हुआ है। वह नाम बदलकर नौकरी करता है। पुलिस ने सूचना को पुख्ता किया और छापेमारी की। जहां पुलिस को दो संदिग्ध मिले। पुलिस टीम ने दोनों से पूछताछ की और वैध वीजा और यात्रा दस्तावेजों की मांग की। दोनों कोई भी दस्तावेज पेश नहीं कर सके और पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वह बांग्लादेशी हैं और बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रहे हैं।

ईरान ने जासूसीडु के आरोप में व्यक्ति को दी फांसी; इस्राइल से संघर्ष के बाद सजा-ए-मौत के मामलों में आई तेजी

दुबई, एजेंसी। ईरान ने सोमवार को कहा कि उसने इस्राइल के लिए जासूसी करने के आरोप में एक व्यक्ति को फांसी दी है। तेहरान में कई दशकों में सबसे ज्यादा लोगों को फांसी देने का काम जारी है। उसी कड़ी में यह ताजा मामला है। जिस व्यक्ति को सजा-ए-मौत दी गई है, उसकी पहचान बहमन चूबियासल के रूप में हुई है।

हालांकि, ईरानी मीडिया और मौत की सजा पर नजर रखने वाले कार्यकर्ताओं को इस मामले की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। इस व्यक्ति जासूसी के आरोप में ऐसे समय में फांसी दी गई है, जब इस सासाहांत पर संयुक्त राष्ट्र ने परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। ईरान का कहना है कि चूबियासल ने इस्राइल की जासूसी एजेंसी मोसाद के अधिकारियों से मुलाकात की थी। वहीं, ईरान की न्यायपालिका की सूचना एजेंसी मिजान ने बताया कि चूबियासल संवेदनशील परियोजनाओं पर काम करता था और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात के मार्गों की जानकारी देता था।

इस साल जून में इस्राइल के साथ संघर्ष के बाद से ईरान ने जासूसी के आरोप में नौ लोगों को फांसी दी है। संघर्ष में इस्राइल ने हवाई हमले करके करीब 1,100 लोगों को मार डाला था, जिनमें कई सैन्य कमांडर भी शामिल थे। इसके जवाब में ईरान ने इस्राइल पर मिसाइल हमले किए थे।

सितंबर की शुरुआत में ईरान ने

बाबक शाहबाजी नाम के व्यक्ति को भी फांसी दी थी। उस पर पर इस्राइल के लिए जासूसी करने का आरोप था। लेकिन मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इस आरोप को खारिज किया था और कहा था कि शाहबाजी को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को पत्र लिखने के बाद झूठे कबूलनामे के लिए प्रताड़ित किया गया था।

पिछले कुछ वर्षों में ईरान में आर्थिक तंगहाली, महिलाओं के लिए अधिकारों की मांग और देश की धार्मिक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हुए हैं। इन विरोध प्रदर्शनों और जून के संघर्ष के जवाब में ईरान में 1988 के बाद मौत की सजा के मामलों में तेजी आई है। तब ईरान-इराक युद्ध के अंत में हजारों लोगों को फांसी दी गई थी।

अमेरिका ने यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने पर विचार शुरू किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने रविवार को कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका यूक्रेन के अनुरोध पर लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलें उपलब्ध कराने पर विचार कर रहा है। यह मिसाइलें रूस के खिलाफ यूक्रेन की सैन्य क्षमता को मज़बूत कर सकती हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका से आग्रह किया है कि वह यूरोपीय देशों को टॉमहॉक मिसाइलें बेचे, जिन्हें बाद में यूक्रेन भेजा जा सके। वेंस ने फॉक्स न्यूज़ संडे कार्यक्रम में बताया कि अंतिम निर्णय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लेंगे। 2,500 किलोमीटर रेंज वाली ये मिसाइलें यूक्रेन की सेना को रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों का जवाब देने में मददगार साबित होंगी। हालांकि, ऐसी किसी भी आपूर्ति को रूस युद्ध में बड़ी वृद्धि के तौर पर देख सकता है। ट्रंप पहले यूक्रेन की लंबी दूरी की मिसाइलों की मांग ठुकरा चुके हैं, लेकिन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समझौते से इनकार करने पर उनकी नाराज़गी बढ़ी है। वेंस ने कहा कि रूस का आक्रमण अब ठहर गया है

मड़वा में 223.60 लाख की लागत से 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र का भूमिपूजन

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश और प्रदेश में ऊर्जा क्रांति का नया अध्याय लिखा जा रहा : सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। टीएसपी (जनजातीय उपयोजना) अंतर्गत 223.60 लाख रुपये की लागत से ग्राम मड़वा में बनने वाले 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र का भूमिपूजन सांसद डॉ राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य तथा विधायक सीधी रीती पाठक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, जनपद अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार एवं समाजसेवी देव कुमार सिंह चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश और प्रदेश में ऊर्जा क्रांति का नया अध्याय लिखा जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि गांव-गांव तक गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली पहुँचे। उन्होंने कहा कि बिजली केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि शिक्षा, कृषि, व्यापार और औद्योगिक विकास की सबसे बड़ी आधारशिला है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में बिजली की उपलब्धता बढ़ने से किसान आधुनिक उपकरणों से खेती कर पाएंगे, विद्यार्थियों को पढ़ाई में बाधा नहीं होगी, छोटे व्यापारी कारोबार सुदृढ़ कर सकेंगे और उद्योग-धंधों को गति मिलेगी। उन्होंने इसे सशक्त भारत दृ सक्षम भारत की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम बताया और कहा कि मड़वा उपकेंद्र से 32 ग्रामों के 6500 परिवार लाभान्वित होकर जीवनस्तर में सुधार पाएंगे।

विधायक रीती पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सशक्त भारत और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विकसित मध्यप्रदेश का सपना तभी साकार होगा जब गांव, किसान, विद्यार्थी और महिलाएँ ऊर्जा सुविधाओं से सशक्त होंगी। उन्होंने कहा कि बिजली किसी भी क्षेत्र की प्रगति की रीढ़ है। मड़वा उपकेंद्र किसानों को भरपूर सिंचाई सुविधा, विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन सुविधा और घरेलू उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि हर घर, हर संस्थान और हर उद्योग तक बिजली पहुँचे। इस उपकेंद्र से स्थानीय उद्योग-धंधों को गति मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार व स्वरोजगार के अवसर पैदा होंगे। विधायक ने जनता से ऊर्जा का सदुपयोग और बिजली बचत करने का आह्वान किया।

तकनीकी जानकारी देते हुए कार्यपालन अभियंता (संचारण-संधारण) अजीत सिंह बघेल ने बताया कि यह कुचवाही वितरण केन्द्र का पहला 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र होगा। वर्तमान में 32 ग्रामों को खोचीपुर, कुबरी, कोतरकला एवं हड़बड़ो उपकेंद्रों से 11 के.व्ही. फीडर द्वारा बिजली दी जा रही है।

एनएच-39 पर ठेकेदार की लापरवाही से गोवंश गड्ढे में गिरा, ग्रामीणों सुरक्षित बाहर निकाला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-39 पर गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदे गए गड्ढे में एक बछड़ा गिर गया, जिसे ग्राम अर्जुननगर के ग्रामीणों ने 6 घंटे की मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला। यह घटना सोमवार सुबह लगभग 5 बजे हुई। बछड़ा गड्ढे और पाइप के भीतर फंसा रहा। स्थानीय लोग उसे बाहर निकालने का प्रयास करते रहे।

ग्रामीणों ने बताया कि घटना के समय ठेकेदार या उसका कोई कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं था। बछड़ा लगातार बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था। अंततः ग्रामीण राजू सिंह, समाजसेवी तेज बहादुर सिंह और अन्य लोगों ने मिलकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला।

ग्रामीण राजू सिंह ने बताया कि बछड़ा घंटों तक फंसा रहा, लेकिन कोई मदद के लिए नहीं आया। उन्होंने कहा, हमने मिलकर मेहनत की और आखिरकार इसे बचा लिया। इस घटना ने ठेकेदार की बड़ी लापरवाही को उजागर किया है। सड़क के बीच खुले छोड़े गए इस गड्ढे से भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर बचाव न होता तो गोवंश के साथ-साथ किसी इंसान की जान भी खतरे में पड़ सकती थी।

लापरवाह पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी: चुरहट एसडीएम शैलेश द्विवेदी ने इसे ठेकेदार की लापरवाही बताया। उन्होंने कहा, हमने मामले को संज्ञान में लिया है। ठेकेदार को निर्देश दिया जाएगा कि ऐसे स्थानों पर कर्मचारियों की ड्यूटी अनिवार्य रूप से लगाई जाए ताकि भविष्य में कोई दुर्घटना न हो। लापरवाही पाए जाने पर कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

जमीन विवाद पर भाइयों में मारपीट, एक भाई गंभीर घायल; जिला अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बम्हनी गांव में सोमवार दोपहर जमीन विवाद को लेकर दो सगे भाइयों के बीच मारपीट हुई। इस घटना में एक भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। यह विवाद डेढ़ एकड़ जमीन को लेकर था, जो पिछले करीब तीन वर्षों से चल रहा था। दोपहर लगभग 3:30 बजे, बड़े भाई रामदयाल साहू को उनके छोटे भाई सोमनाथ साहू और भतीजे कमलेश साहू ने कथित तौर पर पीट दिया। विवाद बढ़ने पर सोमनाथ और कमलेश ने लाठी-डंडों से रामदयाल पर हमला किया। हमले में रामदयाल के सिर और सीने पर गंभीर चोटें आईं। परिजनों ने तत्काल 108 एंबुलेंस बुलाकर घायल रामदयाल को जिला अस्पताल सीधी में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

तीन साल से चल रहा विवाद: ग्रामीणों ने बताया कि यह जमीन विवाद तीन साल से चला आ रहा था। पहले भी दोनों पक्षों के बीच कई बार तनाव की स्थिति बनी थी। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि समय रहते पंचायत स्तर पर समझौता हो जाता, तो यह गंभीर घटना टाली जा सकती थी। घटना की सूचना मिलने पर बम्हनी चौकी प्रभारी विकास सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि घायल का इलाज जारी है और प्रारंभिक जांच में यह मामला जमीनी विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि आवेदन प्राप्त होने और जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रामपुर नैकिन से 100 किमी की रफ्तार से चलेंगी ट्रेन, टेस्टिंग हुई सफल; रेलवे स्टेशन तैयार, जल्द शुरू होंगी नियमित ट्रेनें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले का रामपुर नैकिन रेलवे स्टेशन अब पूरी तरह तैयार है। सोमवार को रेलवे विभाग ने स्टेशन पर 100 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से इंजन चलाकर सफल परीक्षण किया। इस सफल टेस्ट रन के बाद अब जल्द ही इस रूट पर नियमित यात्री ट्रेनें शुरू होने की उम्मीद है, जिससे सीधी जिले को नई रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। सीधी सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह रामपुर नैकिन ही नहीं, बल्कि पूरे जिले के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। दशकों के इंतजार के बाद अब सीधी का यह क्षेत्र सीधे रेल नेटवर्क से जुड़ने जा रहा है। सांसद ने रेलवे विभाग के प्रयासों की सराहना की।

ग्राम पंचायत रामपुर नैकिन के निवासी अशोक तिवारी ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए बताया, हमें इस पल का इंतजार पूरे 10 साल से था। जब से इस रेलवे लाइन की घोषणा हुई थी, तब से हम सब ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। कई बार देरी हुई, लेकिन अब लग रहा है कि सपना सच होने वाला है। रेलवे विभाग के अभियंता सिद्धार्थ पटेल ने बताया कि रामपुर नैकिन तक का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने जानकारी दी कि पहले भी धीमी गति से इंजन का परीक्षण किया गया था, लेकिन यह अंतिम परीक्षण 100 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य ट्रैक की सुरक्षा सुनिश्चित करना और किसी भी संभावित तकनीकी खराबी को पहले ही पहचान कर दूर करना था।

वाहन चेकिंग अभियान में 1.32 लाख रुपये जुर्माना वसूला

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के मार्गदर्शन एवं परिवहन मुख्यालय के निर्देशन में जिला परिवहन कार्यालय सीधी द्वारा वाहनों की सतत जाँच का अभियान संचालित किया जा रहा है। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि 23 से 29 सितम्बर तक चलाए गए अभियान के दौरान लगभग 20 वाहनों से कुल 1.32 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। इस दौरान कई विद्यालयों के स्कूल वाहन दस्तावेज अधूरे होने पर जब्त किए गए। जाँच के दौरान बसों में वीएलटीडी डिवाइस एक्टिव नहीं होने, अग्निशमन यंत्र चालू न होना तथा आवश्यक कागजात अधूरे पाए जाने पर कार्यवाही की गई।

घर की बाड़ी में उगा रखा था गांजा, आरोपी गिरफ्तार; 10-10 फीट के दो पौधे बरामद

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले की गोहपारू पुलिस ने गोडारू गांव से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसने अपने घर की बाड़ी में गांजा उगा रखा था। इसके पास से गांजे के 10-10 फीट के दो हरे पौधे बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत 30 हजार रुपए से अधिक बताई जा रही है।

दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि गोडारू गांव निवासी महेंद्र सिंह गोंड अपने घर की बाड़ी में गांजे की खेती कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस की एक विशेष टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान आरोपी की बाड़ी में गांजे के दो हरे पेड़ लगे पाए गए। पुलिस ने तत्काल मौके से दोनों पेड़ों को उखड़वाकर जब्ती की कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी महेंद्र सिंह गोंड के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

पहले भी सामने आ चुके हैं मामले: स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी महेंद्र अपने घर के सामने स्थित बाड़ी में गांजे की खेती किए हुए था। लोगों का मानना है कि पुलिस के पहुंचने से पहले ही उसने कई पेड़ों को उखाड़ कर बिक्री और उपयोग कर लिया होगा। हालांकि, पुलिस का कहना है कि उन्हें मौके पर केवल दो ही पेड़ मिले हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

बता दें कि गोहपारू थाना क्षेत्र में पहले भी घर की बाड़ी और खेतों में गांजे की खेती के कई मामले सामने आ चुके हैं, जिन पर पुलिस लगातार कार्रवाई करती रही है।

40 आदिवासी परिवार बेघर होने की कगार पर

100 साल से सरकारी जमीन पर रह रहे, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के चितरंगी इलाके के नौगई-2 गांव के लगभग 40 आदिवासी परिवार बेघर होने की कगार पर हैं। इन परिवारों ने सोमवार को सिंगरौली कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग की है कि उन्हें विस्थापित न किया जाए।

ये परिवार पिछले 100 सालों से सरकारी जमीन पर बसे हुए हैं। हाल ही में, राजस्व विभाग ने यह जमीन वन विभाग को हस्तांतरित कर दी है। वन विभाग अब इस जमीन पर पौधारोपण कर रहा है, जिसके कारण इन परिवारों के सामने बेघर होने का संकट खड़ा हो गया है।

इन सभी परिवारों का संबंध आदिवासी समाज से है। एक परिवार की मुखिया शकुंतला देवी ने बताया कि उनकी चार पीढ़ियां इसी जगह पर रह रही हैं और वे यहीं अपने बच्चों का भरण-पोषण कर रही हैं। उन्होंने सरकार से अपील की है कि उन्हें जैसे हैं, वैसे ही रहने दिया जाए।

ग्राम पंचायत के निवासी राकेश ने बताया कि वे सरकार से विकास नहीं मांग रहे हैं, बल्कि केवल यह चाहते हैं कि उन्हें उनकी वर्तमान स्थिति में रहने दिया जाए। उन्होंने जोर दिया कि यह केवल 40 परिवारों का मामला नहीं है, बल्कि इन परिवारों में लगभग 300 लोग शामिल हैं, जिन्हें रहने के लिए जमीन की आवश्यकता है।

डिप्टी कलेक्टर बोले- करेंगे जांच: इस मामले पर डिप्टी कलेक्टर सृजन वर्मा ने बताया है कि आदिवासियों की ओर से ज्ञापन दिया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जांच करवाई जा रही है और किसी के साथ कोई अन्याय नहीं होगा।

सीधी पुलिस ने किया बलवा परेड का अभ्यास, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयारियां तेज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कानून व्यवस्था बनाए रखने की तैयारियों के तहत पुलिस ने रविवार और सोमवार को बलवा परेड अभ्यास किया। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन में पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित इस अभ्यास का नेतृत्व डीएसपी अमन मिश्रा ने किया, जबकि परिवीक्षाधीन उप पुलिस अधीक्षक सुजीत कड़वे ने कमान संभाली।

इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल को आकस्मिक परिस्थितियों, विशेषकर भीड़ नियंत्रण और बलवा जैसी स्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित करना था। रक्षित निरीक्षक वीरेंद्र कुमरे ने पुलिस बल की विभिन्न टुकड़ियां बनाकर उन्हें वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण के दौरान सबसे पहले अश्रु गैस के प्रयोग का अभ्यास कराया गया। इसके बाद आवश्यकता पड़ने पर हल्के बल प्रयोग और भीड़ के अत्यधिक उग्र होने की स्थिति में फायरिंग की प्रक्रिया समझाई गई। इस चरणबद्ध प्रशिक्षण से पुलिस बल की रणनीतिक, मानसिक और व्यावहारिक दक्षता में सुधार पर जोर दिया गया।

अभ्यास के बाद पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने अधिकारियों और जवानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी बलवा या भीड़ नियंत्रण की स्थिति में संयम और धैर्य बेहद जरूरी है। उन्होंने बल प्रयोग के दौरान नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और प्रत्येक कार्रवाई को कानूनसम्मत बनाए रखने पर भी जोर दिया।

इस अभ्यास में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक कन्हैया सिंह बघेल, यातायात निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय, महिला थाना निरीक्षक रीता त्रिपाठी, अजाक निरीक्षक आर.एल. साकेत और थाना प्रभारी जमोड़ी उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी सहित जिले के विभिन्न थानों और पुलिस लाइन से बड़ी संख्या में अधिकारी व जवान शामिल हुए।

घर के कमरे में मिली पांच दिन पुरानी लाश, हाथ-पैर के पंजे गायब; हत्या की आशंका

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के देवलौद थाना क्षेत्र के करौंदिया गांव में एक घर के कमरे से युवक का क्षतविक्षत शव मिला है। शव के हाथ और पैर के पंजे गायब हैं, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी है और हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस का कहना कि शव की हालत देखकर लग रहा है कि हत्या करीब पांच दिन पहले की गई है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना तब सामने आई जब मृतक की रिश्ते की बहन उसके घर पहुंची। काफी आवाज देने पर भी अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। घर का दरवाजा खुला था और अंदर से तेज दुर्गंध आ रही थी। बहन ने अंदर जाकर देखा तो बिस्तर पर शव पड़ा था, जिसके बाद उसने परिजनों और पुलिस को सूचना दी।

मृतक की पहचान 30 वर्षीय बृजेंद्र बैगा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि बृजेंद्र घर में अकेला रहता था। उसकी पत्नी मायके गई हुई थी और मां कुछ दिन पहले अपने रिश्तेदारों के यहां चली गई थी। शव कई दिन पुराना प्रतीत हो रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही देवलौद थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (खस्रू) की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी सुभाष दुबे ने बताया कि मामला संदिग्ध है और हत्या की संभावना है। खस्रू डॉक्टर अपनी जांच कर रहे हैं। उन्होंने पुष्टि की कि शव से हाथ और पैर के पंजे सहित शरीर के कुछ अन्य हिस्से गायब हैं। पुलिस इस संवेदनशील मामले की गहनता से विवेचना कर रही है।

मझौली के छुही ग्राम में दिव्यांग शिविर, 23 का चिन्हांकन, 5 को तत्काल यूडीआईडी कार्ड

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रशासन और सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान और त्वरित यूडीआईडी कार्ड (दिव्यांगता प्रमाण पत्र) जारी करने हेतु आयोजित शिविरों की श्रृंखला के अंतर्गत आज जनपद पंचायत मझौली के ग्राम भवन छुही में सफल शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर में कुल 23 दिव्यांगजनों का चिन्हांकन किया गया और 5 लाभार्थियों को तत्काल यूडीआईडी कार्ड जारी किए गए। जिला चिकित्सा बोर्ड की विशेषज्ञ टीम ने बच्चों का चिकित्सकीय परीक्षण कर उनकी पात्रता सुनिश्चित की, जिसमें डॉ. के.बी. प्रजापति, डॉ. अविनाश जान ध्रुवे, डॉ. हिमेश पाठक और डॉ. रवि पटेल शामिल थे।

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा ने शिविर संचालन और व्यवस्थाओं का समन्वय सुनिश्चित किया। सामाजिक सुरक्षा अधिकारी नारायण बैगा ने पंचायत स्तर पर लाभार्थियों की उपस्थिति और सुविधाओं का प्रबंध किया, जबकि जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के शिवांसु शुक्ला और शेषमणि साहू ने दस्तावेज़ जाँच, लाभार्थियों का मार्गदर्शन एवं प्रमाण पत्र वितरण में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

जिला प्रशासन आगामी तिथियों पर भी ऐसे शिविर आयोजित करेगा, ताकि जिलेभर के सभी पात्र दिव्यांगजन शीघ्र और सुविधाजनक तरीके से यूडीआईडी कार्ड प्राप्त कर सकें।

जिस सांप ने डसा, उसे अस्पताल लेकर पहुंचा युवक; सर्प मित्र ने किया रेस्क्यू

शहडोल। जिला अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक सांप को हाथों में पकड़कर इलाज के लिए पहुंचा। युवक ने डॉक्टरों से कहा कि इसी सांप ने उसे काटा है। वह इसे पहचान के लिए लाया है। युवक के हाथ में सांप देखकर अस्पताल के चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ घबरा गए। पुलिस के अनुसार विचारपुर गांव निवासी राकेश सिंह को सांप ने काटा था। राकेश अपने घर से दुकान जा रहा था, तभी घर के सामने ही सांप ने उसके पैर में काट लिया। हल्का दर्द महसूस होते ही राकेश ने उसे भागते हुए पकड़ा। एक साथी के साथ मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल पहुंचा।

अपर कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने सोमवार को सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि शिकायतों के समाधान में तत्परता बरती जाए तथा निराकरण कार्यवाही समयसीमा में पूर्ण की जाए। अपर कलेक्टर ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक शिकायत का प्रभावी निराकरण हो और सभी विभाग ए ग्रेड प्राप्त करने के लिए गंभीर प्रयास करें।

इन तीन महीनों के बाद

संपादकीय

बारिश के तीन महीने, खुद में गुजर जाने की आशंका और विराम का हर पल आक्रांत रहा इस बार हिमाचल में। प्रदेश यूं तो नार्मल होने लगा है, व्यापारी त्योहारी सीजन में अपनी उधारी खत्म करने की तैयारी में लग गए, किसान ने खेत की टूटी उम्मीदों को थामा, तो कोई मजदूर फिर दिहाड़ी की तलाश में उतर आया। जीवन का चक्र थमता नहीं, लेकिन राहों के कांटे हटाने पड़ते हैं। कुछ इसी फिराक में बरसात गुजर गई कि हमारे बेहाल पर, आखिर हमने क्या किया। तीन महीनों ने कई खंजर-कई बंजर देखे, विकास के ढहते और आहों के समंद्र देखे। ऐसे में साल की आकांक्षा में बरसात की आशंका के तीन महीनों की तैयारी को अब आगे क्या रोडमैप चाहिए। निर्माण की रुकी मशीनरी, व्यापार का रुका माहौल और जनता की अटकी सांसों को अब ऐसे विश्वास की पलकें चाहिएं, जो साल के कैलेंडर को खुशहाली से भर दें। तीन महीनों ने कई घर, कई कस्बे और कई कहकहे उजाड़े हैं। कनेक्टिविटी के कई निशान मिटाए, तो मनाली का निवेश और पर्यटन का प्रवेश भुतिया गया। तीन महीनों ने हिमाचल के परिवहन क्षेत्र को उजाड़ा तो पर्यटक स्थलों को गहरी अनिश्चिता की फांस में फंसा दिया। बरसात में रेत बजरी ही नहीं बहती, बल्कि काम के सफर पर निकलने की उम्मीदें भी ढेर होती हैं।

इसी संदर्भ में केंद्रीय परियोजनाओं के मानदंड भी घायल हुए हैं। मसलन धर्मशाला स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं की तयशुदा सीमा से ये घातक तीन महीने माइनस किए जाएं, तो कार्यों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय की दरकार रहेगी। इसी तरह कमोबेश हर शहर की जलापूर्ति को बारिश ने तबाह करके जहां पहुंचा दिया, वहां से लौटने के लिए त्वरित धन की आवश्यकता रहेगी। सरकारी अनुबंध में निजी निवेश को राहत चाहिए।

धर्मशाला रोप-वे का एक पिल्लर अगर निरीक्षण-परीक्षण में काफी समय गुजार दे, तो नुकसान के आंकड़े रहम की भीख ही मांगेंगे। कई छतें कमजोर हुई हैं या ध्वस्त हुए प्रगति के मानचित्र से जो परिवार बेदखल हुए, उन्हें पुनर्वास का कोई स्थायी तरीका देना होगा। राहत के तमाम आवेदनों और बचाव की सारी संवेदनाओं का निचोड़ यह कि अब प्रदेश को अपनी योजनाओं की बरसात में तीन महीनों के संताप को समेटना होगा।

राज्य के हर बजट को एक ऐसा किरदार खोजना होगा, जो हर साल की बरसात से मुकाबला करे। स्कूलों में बरसात की छुट्टियां, आफत में हर घर की खिड़कियां, बाजार में व्यापार की हस्तियां और आम नागरिक के हर चूल्हे पर बनती रोटियां सलामत चाहिएं, तो ये महीने आइंदा बचाव में रहें। प्रदेश को बरसात से पहले बरसात का अनुमान लगाते हुए कम से कम जल की निकासी का ठीक से प्रबंध करना होगा। खड्डों, नालों व नदियों को बांध बनने के बजाय जल बहाव की तैयारी करनी होगी। डी सिल्टिंग को कमाई का जरिया बना कर बरसात से पूर्व ही माकूल जल भराव योग्य बनाना होगा, ताकि फ्लड गेट खोलने की नौबत से नूरपुर क्षेत्र की खेती अपनी प्रजाति ही न भूल जाए।

भाग गए बापू के बंदर

निर्मल असो

देश अब राष्ट्रपिता को तब याद करता है, जब सामने कोई बंदर उछलकूद मचाता है। कई ऐसे नेता भी हैं जो बंदरों के बचाव में नित नए तर्कों की रखवाली शुरू कर देते हैं, जबकि महात्मा गांधी की आत्मा आज भी हत्या के दोष में खुद ही अफसोस कर रही है। महात्मा गांधी की रुह को रोकने की कोशिशें हो रही हैं, लेकिन यह किसी न किसी टीवी डिबेट में दोषी हो जाती है। महात्मा गांधी के सच्चे भक्त तीन बंदर ही थे। गांधी की हत्या के बाद ये तीनों भी काफी समय तक न बुरा बोलते, न बुरा सुनते, न ही बुरा देखते। देश में बोलने के हजारों पक्ष सुनने का एक भी नहीं। देखने का बहुत कुछ, लेकिन अंधेपन का कारण एक भी नहीं। सुनने को लाखों कान, लेकिन सुनाने को एक जुबान तक नहीं। बापू के बंदर हैरान होते कि देश कैसे एकमत हो गया। देश की एक ही दृष्टि हो गई और उसे अब ठीक से सुनने की आदत भी नहीं। बंदर मुंह, आंख और कान पर हाथ रखे सोचते रहते कि क्या वे बूढ़े हो गए या देश बूढ़ा हो गया। वे बिना हाथ रखे भी न बोल, न सुन और न ही देख पा रहे थे। हैरानी यह कि उन्हें देखकर लोकतंत्र भी न देख, न सुन और न ही बोल पा रहा था। एक बार तो बंदरों ने सोचा कि क्यों न कोई आंदोलन छेड़ दिया जाए, लेकिन वे आवारा बंदरों के कारण अपनी नस्ल नहीं बिगाडना चाहते थे। उन्हें याद है कि आजादी से पहले और आजादी के बाद तक बापू ऐसा नागरिक समाज और देश का निर्माण करना चाहते थे जो मौके पर सही देख, सुन और बोल सके, मगर ये तीनों सिद्धांत बदल गए। एक दिन बापू के तीनों बंदरों ने आपस में कार्य बांट कर नए सिरे से सोचना शुरू कर दिया।

पहला बंदर नेता बनकर बापू को याद कर रहा था, लेकिन बोलते हुए उसकी भाषा में वैमनस्य, देखते हुए नफरत और सुनते हुए गालियां निकल रही थीं। दूसरे बंदर ने पत्रकार बनकर देश की परिक्रमा शुरू की तो बोलते हुए वह सत्ता पक्ष की भाषा सीख गया, सुनते हुए उसे सिर्फ देश के सर्वोच्च नेता का कहा ही सुनाई दे रहा था और देखते हुए उसे केवल चुनाव के मंच दिखाई दे रहे थे। तीसरे बंदर ने न्यायपालिका में शरण पाने की कोशिश की तो वहां उसे पता चला कि न्याय का सुरमा ही वहां अंधा कर रहा है। वहां बापू के बंदर को मानहानि के नोटिस मिलने लगे। पूछने पर बताया गया कि अगर तुम हद से ज्यादा देखोगे, सुनोगे या बोलोगे तो यह अदालत की मानहानि होगी। फिर भी नहीं माने तो देशद्रोह में पकड़े जाओगे। तीनों बंदर हताश होकर लौटे, फिर भी उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि भारत देश आखिर चल कैसे रहा है। वे अपने हाथों मजबूर थे। पहली बार बंदरों ने भी बापू के खिलाफ अवज्ञा का सोचा। देश के गली-मोहल्लों में आजादी के बाद उछलकूद कर रहे बंदरों के अवज्ञा आंदोलन में ये तीनों भी शामिल होकर उन्हें सुधारने की खुशफहमी पाले थे, लेकिन चारों तरफ उछलकूद मचा रहे बंदर तो अब भारतीयों के अनुयायी थे। ये आजादी का अर्थ आजादी में जानते थे। इन्होंने जिंदा बापू का आजादी के संघर्ष में साथ नहीं दिया, तो उनकी हत्या का कहां पश्चाताप करेंगे। अंततः बापू के तीनों बंदरों ने अपने हाथों के ताले खोल दिए। उन्होंने बापू के 'बुरे' शब्द को हटाकर मत बोलो, मत सुनो, मत देखो का नया सिद्धांत अपना लिया। आवारा बंदर खुश थे कि बापू के बंदर अब बुरा मत बोलो, बुरा मत सुनो, बुरा मत देखो छोड़ चुके हैं। देश इस तरह बापू की यादें मिटाने में बंदरों को बड़े ही आशापूर्ण ढंग से देख रहा था। बंदर चीख रहे थे, बंदर घूर रहे थे, लेकिन देशवासियों का दर्द इन्हें सुनाई नहीं दे रहा था।

उत्तर प्रदेश और देश के कई हिस्सों में पिछले दिनों अचानक भड़के 'आई लव मोहम्मद' विवाद ने पूरे समाज को हिला दिया है। कानपुर से शुरू होकर यह आग बरेली, मऊ, उन्नाव, बाराबंकी, कौशांबी, लखनऊ, महाराजगंज और कई जिलों में फैल गई। देखते ही देखते यह मामला उत्तराखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और बिहार तक पहुंच गया। एक पोस्टर और कुछ नारेबाजी से शुरू हुआ यह विवाद अब एक गहरे सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक विमर्श का विषय बन चुका है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि यह आंदोलन केवल मजहबी श्रद्धा और मोहब्बत का इजहार था तो फिर इसमें हिंसा क्यों हुई सरकारी संपत्ति क्यों जलाई गई और खासतौर पर हिंदू व्यापारियों की दुकानों और प्रतिष्ठानों को ही क्यों निशाना बनाया गया

'आई लव मोहमद' विवाद के निहितार्थ

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

घटनाक्रम की शुरुआत कानपुर से हुई जब 4 सितंबर 2025 को बारावफात के जुलूस में मुस्लिम युवकों ने 'आई लव मोहम्मद' लिखे पोस्टर और बैनर लगाए। पुलिस ने इन्हें हटाया और नौ युवकों पर मुकदमा दर्ज कर दिया। प्रशासन का कहना था कि यह कदम संभावित विवाद को रोकने के लिए उठाया गया। लेकिन उसी शाम से विरोध के स्वर तेज होने लगे। अगले दिन 5 सितंबर को कानपुर की सड़कों पर प्रदर्शन शुरू हो गया, ट्रैफिक बाधित हुआ, बाजार बंद होने लगे और तनाव बढ़ता गया।

बरेली में जुमे की नमाज के बाद मस्जिद के बाहर भारी संख्या में लोग जमा हुए और पुलिस से झड़प हुई। पथराव और लाठीचार्ज की घटनाएं हुईं। कई दुकानें क्षतिग्रस्त हुईं और बाजारों में अफरातफरी फैल गई। मऊ में तो हालात और बिगड़ गए। वहां जुमे की नमाज के बाद उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव किया, कई थानों पर हमला किया और आंसू गैस तथा लाठीचार्ज के बावजूद देर रात तक हालात काबू में नहीं आए। स्थानीय दुकानदारों को दुकानें बंद रखने से भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों उन्नाव, कौशांबी, बाराबंकी और महाराजगंज में भी इसी तरह की घटनाएँ देखने को मिलीं। हिंसक भीड़ ने सरकारी वाहनों और सार्वजनिक संपत्तियों को क्षति पहुँचाई। खासतौर पर पुलिस चौकियों और हिंदू व्यापारियों की दुकानों को निशाना बनाया गया। प्रशासनिक रिपोर्टों के अनुसार यह हिंसा आकस्मिक नहीं, बल्कि योजनाबद्ध थी। दंगाइयों ने जिन इलाकों को निशाना बनाया वहाँ पहले से पहचान कर रखी गई दुकानों और प्रतिष्ठानों पर हमला किया गया। यही कारण है कि इस विवाद को केवल धार्मिक आस्था की लड़ाई नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे राजनीतिक और कट्टरपंथी संगठनों की साजिश की तरह देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि कानून-व्यवस्था पर सख्त नियंत्रण रखने वाली रही है और इस बार भी उन्होंने वही किया जो किसी जिम्मेदार मुख्यमंत्री को करना चाहिए। दंगाइयों पर पुलिस की लाठियां बरसीं। पर सवाल यह उठता है कि समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन जैसे नेता इस सख्ती पर ऐतराज क्यों कर रहे हैं और क्यों सरकार को तानाशाह कहकर जनता को भड़काने की कोशिश की जा रही है।

इकरा हसन का यह आरोप है कि भाजपा सरकार को न तो संविधान का पता है और न ही नागरिक अधिकारों का। योगी सरकार को जनता मिट्टी में मिला देगी। उनका तर्क था कि अगर कोई अपने पैगंबर के प्रति मोहब्बत जाहिर करता है तो उसमें क्या आपत्ति है दुनिया भर में मोहम्मद पैगंबर के चाहने वाले लोग हैं और वे ऐसे फरमानों से रुकने वाले नहीं। विपक्षी दलों ने कहा कि सरकार अल्पसंख्यकों को दबा रही है। किंतु जनता के मन में सवाल यही है कि अगर सरकार सख्ती न करती तो क्या दंगे और ज्यादा न फैलते। क्या प्रशासन का हाथ पर हाथ धरे बैठना सही होता फिर सवाल यह भी है कि अगर यह केवल श्रद्धा का मामला था तो फिर हिंसा क्यों फैलाई गई

आज कानपुर और बरेली से शुरू हुआ यह विवाद देश के अन्य राज्यों तक पहुँच चुका है। उत्तराखंड के काशीपुर में 23 सितंबर को जुलूस के दौरान पुलिस से झड़प हुई और उपद्रवियों ने वाहनों को क्षतिग्रस्त किया। महाराष्ट्र के नागपुर में मस्जिदों पर पोस्टर लगाए गए और तनाव बढ़ा। कर्नाटक के दावणगेरे में दो समुदायों के बीच झड़प हुई। बिहार के अररिया जिले में भी जुलूस निकाले गए और तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। आज इन घटनाओं ने सरकारी और निजी दोनों ही स्तरों पर भारी आर्थिक नुकसान पहुँचाया है।

बरेली, मऊ और कानपुर में व्यापारियों की दुकानें जलाई गईं, पुलिस वाहन तोड़े गए और सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ। दुकानदारों को बड़ा नुकसान हुआ है। छोटे व्यापारी और रोज कमाने-खाने वाले मजदूर काम से वंचित रहे। बच्चे स्कूल नहीं जा पाए। महिलाओं में असुरक्षा की भावना पनपी। बरेली के एक दुकानदार ने कहा, ÷हम रोज दुकान से जो कमाते हैं, उसी से घर चलता है। दंगे में दुकान टूट गई, अब हम क्या करें।÷ कानपुर की एक महिला का वक्तव्य भी सभी के सामने हैं, ÷हम बच्चों को स्कूल भेजने से डर रहे हैं। सड़क पर डर का माहौल है।÷ यह बयान बताते हैं कि किसी भी धार्मिक या राजनीतिक विवाद में सबसे पहले और सबसे गहरी चोट आम आदमी पर पड़ती है। अनुमान है कि केवल उत्तर प्रदेश में ही करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह पैसा अब आम करदाताओं की जेब से नहीं बल्कि दंगाइयों की संपत्ति से वसूला जाएगा।

सवाल यही उठता है कि आखिर मुसलमानों को पोस्टर हटाने से इतनी आपत्ति क्यों हुई। इस्लाम में किसी मूर्ति या चित्र की पूजा नहीं होती। धार्मिक उलेमा भी मानते हैं कि पोस्टर या बैनर केवल प्रतीक हैं, उनका कोई मजहबी इस्लामिक महत्व नहीं। अगर पोस्टर हटाया गया तो उससे किसी की आस्था पर चोट नहीं पहुँचनी चाहिए थी। फिर भी हिंसा फैलाई गई। अब सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करना किस आधार पर जायज ठहराया जा सकता है!

न्यायपालिका भी पहले स्पष्ट कर चुकी है कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वालों से वसूली की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 2009 में ही कहा था कि आंदोलन और प्रदर्शन के नाम पर हिंसा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं होगी। योगी सरकार का यही तर्क है कि जब संविधान हर नागरिक को अधिकार देता है, तो साथ ही कर्तव्य भी तय करता है। अगर कोई समुदाय हिंसा करेगा और दूसरों की संपत्ति को नुकसान पहुँचाएगा तो सरकार चुप नहीं बैठ सकती।

कुल मिलाकर तथ्य यही है कि 'आई लव मोहम्मद' विवाद केवल एक पोस्टर का विवाद नहीं है। यह विशुद्ध इस्लाम का राजनीतिक एजेण्डा है, जो ठीक उस वक्त सामने लाया गया है जब देशभर में भारत का बहुसंख्यक हिन्दू समाज अपनी आराध्य मां की शक्ति आराधना कर रहा है। ऐसे में योगी आदित्यनाथ ने वही किया जो एक जिम्मेदार मुख्यमंत्री को करना चाहिए। योगी आदित्यनाथ की कार्रवाई केवल दंड नहीं बल्कि संदेश है कि हिंसा का जवाब कानून से मिलेगा। सभी को यह ध्यान में रखना चाहिए कि भारत की पहचान उसकी विविधता और सहिष्णुता है। अगर इसे कट्टरता और हिंसा से कमजोर किया जाएगा तो नुकसान पूरे लोकतंत्र का होगा।

अभी भारत के लिए दवा टैरिफ बेअसर

दवाई उद्योग से संबंधित प्रक्रियाओं को सरल और कारगर बनाने के लिए, दवाई विनिर्माण क्षेत्र और फार्मा पार्क रणनीति को अधिक सुविधाजनक और गुणवत्तापूर्ण बनाना होगा। स्वदेशी फार्मास्युटिकल अनुसंधान को प्रोत्साहित करना होगा....

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 26 सितंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रांडेड या पेटेंटेड दवाई पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान करके एक बार फिर टैरिफ लगाने की ट्रंप श्रृंखला को आगे बढ़ा दिया है। यह टैरिफ 1 अक्टूबर 2025 से लागू होगा। इससे पहले ट्रंप ने 27 अगस्त से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। फिलहाल ट्रंप के दवा टैरिफ का भारतीय फार्मा कंपनियों पर ज्यादा असर नहीं होगा। कारण यह कि भारत से अमेरिका को निर्यात होने वाली दवाओं में पेटेंट दवाओं का हिस्सा महज पांच फीसदी है और जेनेरिक दवाओं का हिस्सा 95 फीसदी है। उल्लेखनीय है कि दवा टैरिफ उन कंपनियों पर नहीं लगेगा जो अमेरिका में ही दवा बनाने के लिए अपना प्लांट लगा रही हैं। ट्रंप ने यह साफ संकेत दिया है कि अगर किसी फार्मा कंपनी की अमेरिका में दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग में दिलचस्पी है तो उसे 100 फीसदी टैरिफ से छूट मिलेगी। साथ ही किसी कंपनी ने अमेरिका में अपना प्लांट लगाना शुरू कर दिया है तो उसे भी इस 100 फीसदी टैरिफ से छूट मिलेगी। कहा गया है कि इसका उद्देश्य दुनिया की बड़ी फार्मा कंपनियों को अमेरिका में उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करना है। इस फैसले का ज्यादा असर उन देशों पर पड़ेगा जहां की फार्मा कंपनियां अमेरिका को ब्रांडेड दवाओं का निर्यात करती हैं। इनमें आयरलैंड, जर्मनी और स्विट्जरलैंड जैसे देश प्रमुख हैं। गौरतलब है कि ब्रांडेड या पेटेंटेड दवाई और जेनेरिक दवाई में बड़ा अंतर है। ब्रांडेड दवाई वे दवाई होती हैं, जो मूल दवाई होती है जिसकी खोज किसी फार्मा कंपनी ने रिसर्च के बाद की होती है।

इसे बनाने वाली कंपनी को एक तय समय जो कि आमतौर पर 20 साल का होता है, के लिए पेटेंट अधिकार मिल जाता है। इस दौरान कोई भी दूसरी कंपनी उस फॉर्मूले का इस्तेमाल करके वह दवाई नहीं बना सकती। जबकि जेनेरिक दवाई वो दवाई होती है जो ब्रांडेड दवाई का पेटेंट खत्म होने के बाद बाजार में आती है। यह ब्रांडेड दवाई के समान फॉर्मूले का इस्तेमाल करके बनाई जाती है। चूंकि जेनेरिक दवाई का कोई नया पेटेंट नहीं होता, यह पहले से ही मौजूद फॉर्मूले पर आधारित होती है, अतएव जेनेरिक दवा बनाने वाली कंपनियों को रिसर्च का खर्च नहीं उठाना पड़ता, इसलिए जेनेरिक दवाइयों की कीमत ब्रांडेड दवा के मुकाबले बहुत कम होती है। खास बात यह है कि भारत जेनेरिक दवाइयां अमेरिका को निर्यात करने वाला सबसे बड़ा देश है। पिछले वर्ष 2024-25 में भारत ने अमेरिका को लगभग 10 अरब डॉलर की दवाइयां भेजीं, जो भारत के कुल दवा निर्यात का करीब एक-तिहाई से अधिक है। निश्चित रूप से ट्रम्प ने ब्रांडेड दवाओं पर टैरिफ लगाने का फैसला अमेरिका में दवा उत्पादन को बढ़ाने के लिए लिया है। ट्रम्प का दवाई टैरिफ 'अमेरिका फर्स्ट' और 'मेक इन अमेरिका' नीति का हिस्सा है। ट्रम्प का यह भी मानना है कि दवाओं के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। कोरोना महामारी के दौरान अमेरिका ने यह देखा है कि अगर दवाई की सप्लाई चेन टूटती है तो अमेरिका में दवाओं की भारी कमी हो सकती है। ऐसे में ट्रंप ने ब्रांडेड दवाओं पर टैरिफ लगाकर, अमेरिका की पूरी फार्मा सप्लाई चेन को सुरक्षित करने का कदम उठाया है। ट्रंप के द्वारा जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ नहीं लगाने के कुछ विशेष कारण भी उभरकर दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में डॉक्टर रोगियों के लिए जो प्रिस्क्रिप्शन लिखते हैं, उनमें से हर 10 में से करीब 4 दवाइयां भारतीय कंपनियों के द्वारा बनाई गई जेनेरिक दवाइयां होती हैं। इतना ही नहीं जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं से 80 से 90 फीसदी तक सस्ती होती हैं। ऐसे में अगर जेनेरिक दवाओं पर भी 100 फीसदी टैरिफ लग जाता, तो जेनेरिक दवाओं की कीमत बहुत बढ़ जाती। इससे अमेरिकी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा बहुत महंगी हो जाती, और यह सीधे तौर पर ट्रंप के लिए नए घरेलू असंतोष का कारण बन सकता था।

दरअसल भारतीय जेनेरिक दवाइयां अमेरिका के लिए लागत-बचत का एक अवसर है। लेकिन आशंका है कि ट्रंप रणनीतिपूर्वक आगामी समय में जेनेरिक दवाइयों को भी टैरिफ के दायरे में ला सकते हैं। ऐसी आशंका के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में गिरावट भी आई है। विशेष रूप से फार्मा कंपनियों के शेयर मूल्य में बड़ी गिरावट दिखाई दी है। ऐसे में भारत को निर्यात तथा संपूर्ण अर्थव्यवस्था के लिए मूल्यवान फार्मा सेक्टर की डगर पर नीतिगत बदलावों के लिए तैयार रहना होगा। गौरतलब है कि भारत दुनिया की फार्मेसी कहा जाता है और इस समय भारत 200 से अधिक देशों को दवाइयों का निर्यात करता है। देश में 3000 से अधिक दवाई कंपनियां हैं और 10500 से अधिक क्रियाशील दवाई उत्पादक इकाइयां हैं। भारत दवाई उद्योग उत्पादन की मात्रा के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर है और दवाई के मूल्य के मद्देनजर 14वें क्रम पर है। साथ ही प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना और विभिन्न देशों के साथ हो रहे मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की बदौलत फार्मा क्षेत्र का कारोबार वर्तमान 55 अरब डॉलर के आकार से छलांगे लगाकर अगले दो साल में 130 अरब डालर तक पहुंच सकता है। चूंकि भारत में दवाई उत्पादन की लागत अमेरिका एवं पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम है, इसी कारण भारत घरेलू और वैश्विक बाजारों के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण, उच्च गुणवत्ता और कम लागत वाली दवाओं के निर्माण में एक प्रभावी भूमिका निभा रहा है। दुनिया की करीब 70 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग भारत में ही होती है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केट प्लेस का शुभारंभ

विश्व पर्यटन दिवस पर छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास को नई दिशा, आईआरसीटीसी व फिक्की संग हुए दो महत्वपूर्ण समझौते

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड और छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में हॉस्पिटैलिटी पार्टनर माइरा रिसॉर्ट कन्वेंशन सेंटर रायपुर में ÷सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केट प्लेस का सफल आयोजन हुआ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राज्य की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन संभावनाओं व योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की नई वेबसाइट का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मुख्य अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य एवं छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष जसप्रीत भाटिया और टूरिज्म इंडिया एलायंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीप भगत मंच पर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर पर्यटन विकास को गति देने के लिए दो महत्वपूर्ण समझौते किए गए। पहला समझौता छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड एवं आईआरसीटीसी के मध्य मुख्यमंत्री जन पर्यटन योजना टूर प्रारंभ करने के लिए किया गया। दूसरा समझौता छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड एवं फिक्की के बीच राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रोड शो तथा छत्तीसगढ़ ट्रैवल मार्ट आयोजन हेतु किया गया।

कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने पर्यटन क्षेत्र में योगदान देने वाले स्टेकहोल्डर्स को सम्मानित किया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा पूर्व में कनेक्ट मार्केट प्लेस के पहले संस्करण में घोषित पर्यटन पुरस्कार योजना के अंतर्गत इस वर्ष 10

श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें होटल श्रेष्ठा को सर्वश्रेष्ठ होटल, रितेश मुंद्रा को सर्वश्रेष्ठ टूर ऑपरेटर, दन्तेवाड़ा को सर्वश्रेष्ठ जिला टूरिज्म प्रमोशन अवार्ड, जीत सिंह आर्या को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्टार्टअप, दण्डामी लग्जरी रिसॉर्ट को सीटीबी स्टार परफॉर्मर (सर्वश्रेष्ठ रिसॉर्ट), टी.आई.सी. एयरपोर्ट रायपुर को सीटीबी स्टार परफॉर्मर (पर्यटक सूचना केंद्र), भोरमदेव जंगल रिट्रीट को सर्वश्रेष्ठ होमस्टे, आकाश साहू (आकाश का सफर) को सर्वश्रेष्ठ सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर, गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले को सर्वश्रेष्ठ इको टूरिज्म साइट तथा 36 मोन्टाने एडवेंचर कैंपिंग के खेमलाल साहू को सर्वश्रेष्ठ एडवेंचर टूरिज्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पर्यटन व्यवसाय के अवसरों को बढ़ावा देना, नए नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना और राज्य के पर्यटन क्षेत्र को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ बिजनेस टू बिजनेस मार्केटप्लेस और नेटवर्किंग सत्र से हुआ, जिसमें विभिन्न राज्यों से आए टूर ऑपरेटर्स एवं प्रतिनिधियों ने अपना प्रजेन्टेशन दिया साथ ही अंतर्राष्ट्रीय डेस्टिनेशन पार्टनर संस्था फॉर एवर जर्नी दुबई तथा वेन्यू पार्टनर माइरा रिसॉर्ट एवं कन्वेंशन सेंटर रायपुर के प्रतिनिधियों ने भी अपना प्रजेन्टेशन दिया गया। इस दौरान पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव ने राज्य की पर्यटन नीतियों एवं अवसरों पर विस्तृत जानकारी दी।

दानवती आर्मो बनीं लखपति दीदी

महिलाओं को दे रहीं रोजगार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के देवरीखुर्द गांव की दानवती आर्मो ने अपने कठिन परिश्रम और नवाचार से एक ऐसी मिसाल कायम की है, जो पूरे जिले की महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। कभी महज़ 90 डिसमिल भूमि पर सब्ज़ी की खेती से शुरुआत करने वाली दानवती आज 7 एकड़ भूमि में आधुनिक पद्धति से खेती कर रही हैं। तुलसी महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष के रूप में वे न केवल स्वयं आर्थिक रूप से सक्षम बनीं, बल्कि अनेक ग्रामीण महिलाओं को भी स्वरोजगार उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बना रही हैं।

दानवती आर्मो ने खेती को पारंपरिक पद्धति से आगे बढ़ाते हुए ड्रीप सिंचाई प्रणाली और मल्चिंग तकनीक को अपनाया। इससे जल संरक्षण के साथ उत्पादन क्षमता भी बढ़ी। लौकी और तोरई जैसी सब्जियों की उन्नत खेती के अलावा उन्होंने बकरी पालन और मछली पालन जैसे आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित किए, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और मजबूत हुई। बिहान योजना से जुड़ने के बाद दानवती को तकनीकी जानकारी, विपणन कौशल और बैंक से ऋण सुविधा प्राप्त हुई। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा और वे योजनाबद्ध तरीके से कृषि और आजीविका के अन्य कार्यों को आगे बढ़ाने लगीं।

पर्यटन विकास के लिए जीपीएम जिले को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नैसर्गिक सुंदरता और जैव विविधता से परिपूर्ण गौरेला-पेंड्रा- मरवाही जिले ने पर्यटन संरक्षण और विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिले को 'इको-टूरिज्म साइट 2025' का राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह सम्मान विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह में पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल एवं पर्यटन मंडल की अध्यक्ष नीलू शर्मा द्वारा कलेक्टर श्रीमती लीना मंडावी को प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार जिले की सबसे ऊँची पर्वत चोटी राजमेरगढ़ पर्यटन क्षेत्र में पर्यावरणीय पर्यटन विकास के लिए किए गए उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना स्वरूप दिया गया है। राजमेरगढ़ अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है और अब प्रदेश के ईको-टूरिज्म मानचित्र पर विशेष स्थान बना चुका है।

कलेक्टर श्रीमती लीना मंडावी ने कहा कि यह सम्मान जिले के नागरिकों, पर्यावरण प्रेमियों और प्रशासनिक टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। राजमेरगढ़ को एक मॉडल ईको-टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करना अब हकीकत की ओर बढ़ रहा है। इस उपलब्धि को लेकर जिले में खुशी का माहौल है। पर्यटन मंत्री एवं कलेक्टर ने जिलेवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सतत् और जिम्मेदार पर्यटन से आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय समृद्धि के नए आयाम स्थापित होंगे।

व्याख्याता पदोन्नति हेतु ऑनलाईन ओपन काउंसलिंग के तृतीय दिवस में 84.57 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित हुए

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा कुल 1227 प्रधान पाठक (प्राथमिक शाला) एवं शिक्षक संवर्ग (बी.एड. प्रशिक्षित स्नातकोत्तर) एल.बी. को आनलाईन ओपन काउंसलिंग द्वारा व्याख्याता/याख्याता (एल.बी.) टी. संवर्ग के पद पर पदोन्नत हेतु काउंसलिंग 25 से 28 सितंबर तक आयोजित की किये गये हैं।

गौरतलब है कि कुल 1227 प्रधान पाठक (प्राथमिक शाला) एवं शिक्षक संवर्ग (बी.एड प्रशिक्षित स्नातकोत्तर) एल.बी को व्याख्याता/व्याख्याता (एल.टी) टी. संवर्ग के पद पर पदोन्नत किए जाने हेतु दिनांक 25 सितंबर से 28 सितंबर तक आनलाईन ओपन काउंसलिंग शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय शंकर नगर रायपुर में आयोजित की गई है। इस दौरान काउंसलिंग के तृतीय दिवस (27 सितंबर 2025) कुल 296 अभ्यर्थियों की काउंसलिंग दो पालियों में आयोजित की गई। जिसमें हिन्दी विषय के 182 अभ्यर्थियों में से 143 अभ्यर्थी उपस्थित थे तथा 39 अभ्यर्थी अनुपस्थित थे, अर्थशास्त्र विषय के 114 अभ्यर्थियों में से 82 अभ्यर्थी उपस्थित हुए तथा 32 अभ्यर्थी अनुपस्थित थे।

काउंसलिंग की प्रक्रिया में दिनांक 25 से 27 सितंबर 2025 में कुल 1102 अभ्यर्थी में से 932 अभ्यर्थी उपस्थित हुए तथा 170 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें। जिससे कुल उपस्थिति प्रतिशत 84.57 रहा है। संचालनालय के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया है कि ऑनलाइन ओपन काउंसलिंग प्रक्रिया के अंतर्गत सभी अभ्यर्थियों को उनके द्वारा चयनित विद्यालयों में पदस्थापना हेतु नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गए हैं।

प्रदेश में अब तक 1136.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 1136.6 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1559.8 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 522.0 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 1024.8 मि.मी., बलौदाबाजार में 917.6 मि.मी., गरियाबंद में 1092.3 मि.मी., महासमुंद में 946.0 मि.मी. और धमतरी में 1054.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 1130.5 मि.मी., मुंगेली में 1110.9 मि.मी., रायगढ़ में 1334.0 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 1074.0 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 1350.7 मि.मी., सक्ती में 1240.5 मि.मी., कोरबा में 1117.0 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 1038.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 883.1 मि.मी., कबीरधाम में 799.1 मि.मी., राजनांदगांव में 972.0 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1415.3 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 852.0 मि.मी. और बालोद में 1246.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 759.7 मि.मी., सूरजपुर में 1141.4 मि.मी., बलरामपुर में 1516.1 मि.मी., जशपुर में 1054.7 मि.मी., कोरिया में 1193.5 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 1074.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

रास गरबा महोत्सव पंखिड़ा 2025 का भव्य समापन, ढोल की थाप पर थिरके मंत्री

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (निप्र)। माता जगत जननी की भक्ति और गरबे की मस्ती से सराबोर रास गरबा महोत्सव पंखिड़ा 2025 का समापन रविवार की देर रात लगभग 1 बजे हुआ। तीन दिनों तक चले इस भव्य आयोजन में श्रद्धा, संस्कृति और मनोरंजन का अद्भुत संगम देखने को मिला। समापन अवसर पर हजारों की संख्या में पहुंचे गरबा कलाकारों और दर्शकों ने लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम को गरबे की रंगीनियों से सराबोर कर दिया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल रहे। उनके साथ नगर निगम के मेयर राम नरेश राय, पूर्व महापौर डमरू बेहरा, और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत मां की आरती और गणेश वंदना से

हुई, इसके बाद गरबा कलाकारों ने पारंपरिक छड़ी के साथ नृत्य प्रस्तुत किया। देर रात तक कलाकारों, महिलाओं और बच्चों ने ढोल की थाप पर गरबे का आनंद लिया।

स्वास्थ्य मंत्री ने मंच से उतरकर गरबा सर्कल में भाग लिया और महिलाओं के बीच थिरकते हुए गरबे का आनंद लिया। उन्होंने सभी को नवरात्रि की बधाई दी और स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार का संकल्प दिलाया।

यह महोत्सव लगातार दूसरे वर्ष आयोजित किया गया। आयोजकों ने तिथियों में बदलाव कर चतुर्थी से षष्ठी तक कार्यक्रम आयोजित किया ताकि सप्तमी से होने वाली दुर्गा बैठकी पर कोई असर न पड़े।

कार्यक्रम की सफलता में नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस प्रशासन, और अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत बाल संरक्षण इकाई द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में स्वच्छता और जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वच्छता ही सेवा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के दिशा-निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी आर. के. खाती के मार्गदर्शन तथा मिशन वात्सल्य जिला बाल संरक्षण अधिकारी कोमल सिंह की देखरेख में आयोजित हुआ।

इस कार्यक्रम की शुरुआत 26 सितम्बर 2025 को नवापारा केंद्र आंगनबाड़ी पोड़ी, चिरमिरी में की गई। वहीं, 27 सितम्बर 2025 को बिहान कार्यालय चनवारीडाड़, मनेंद्रगढ़ (जिला-एमसीबी) में भी इसका आयोजन किया गया। दोनों ही स्थानों पर बड़ी संख्या में बच्चे, महिला समूह की सदस्याएँ तथा आमजन शामिल हुए और

स्वच्छता का संकल्प लिया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने उपस्थित लोगों को स्वच्छता बनाए रखने और प्लास्टिक प्रदूषण से बचने का संदेश दिया। सिंगल यूज़ प्लास्टिक के दुष्परिणामों को विस्तार से समझाया गया तथा कपड़े से बनी थैलियों के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया। लोगों से अपील की गई कि वे घर और आसपास की नियमित सफाई रखें, गली-रास्तों पर कचरा न फेंकें और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में सहयोग दें। बच्चों को भी स्वच्छता अपनाने की आदत डालने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम में गंदगी से होने वाली बीमारियों, जैसे डेंगू, मलेरिया, दस्त, टाइफाइड आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बताया कि स्वच्छता अपनाने से इन बीमारियों से बचाव संभव है। इस अवसर पर सहभागी बच्चों ने भी स्वच्छता पर आधारित नारों और गीतों के माध्यम से संदेश दिया, जिससे उपस्थित लोगों में उत्साह और जागरूकता का संचार हुआ।

विशेष लेख : मिलाराबाद के किसान अंतर्यामी ऑर्गेनिक खेती अपनाकर समाज में मिसाल पेश की

हम गाय को नहीं, बल्कि गाय हमें पालती है : किसान अंतर्यामी प्रधान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महासमुंद जिले के विकासखंड बसना के ग्राम मिलाराबाद के किसान शिक्षित किसान अंतर्यामी प्रधान और उनके पुत्र लक्ष्मी नारायण प्रधान ने पूरी तरह ऑर्गेनिक खेती अपनाकर समाज के लिए मिसाल पेश की है। अंतर्यामी प्रधान बी.एससी. तक और लक्ष्मी नारायण प्रधान बैचलर इन फिजियोथेरेपी तथा बीजेएमसी की पढ़ाई की है। वे लगभग 29 एकड़ भूमि में ऑर्गेनिक खेती करते हुए इन्होंने यह साबित किया है कि कम लागत और स्वस्थ तरीके से भी किसान अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। गौरतलब है कि रासायनिक खेती के इस दौर में जहां किसान अधिक उपज की

लालच में भूमि की उर्वरता और मानव स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डाल रहे हैं। वहीं प्रधान परिवार ने तकरीबन सत्तर के दशक से रासायनिक खाद और जहरीली दवाइयों का उपयोग बंद कर ऑर्गेनिक खेती का आदर्श प्रस्तुत कर रहा है। कम लागत, स्वस्थ उत्पादन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त धान की किस्में उगाकर इन्होंने यह साबित किया है कि ऑर्गेनिक खेती ही भविष्य की सच्ची जरूरत है। आज इनके पास 29 एकड़ जमीन पर ऑर्गेनिक खेती चल रही है, जिनमें से 15 एकड़ का एपीईडीए (PED) से रजिस्ट्रेशन भी हो चुका है।

विविध फसलें और खास किस्म का धान: किसान अंतर्यामी प्रधान ने बताया कि उनके खेती में कई उन्नत किस्म की फसलें लगाई गई हैं जिनमें धान में जवाफुल, कलानमक नरेंद्र 01, शाही नमक, कालीमुच, चिनौर कालाजीरा, गंगा बालू, दुबराज और सुपर फाइन जैसे उन्नत किस्म के धान का उत्पादन कर रहें है। इससे अच्छी आमदनी मिल रही है। वहीं यह उत्पाद स्वास्थ्य वर्धक भी है। सुपरफाइन किस्म की धान का कीमत लगभग 75 रूपए से शुरू है। काला नमक नरेंद्र कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला चावल होने के कारण इसका कीमत 250 रूपए किलो के लगभग है। अवाम धान बीज 350 रूपए किलो तक बिकता है।

पोषण अभियान से महिलाओं और बच्चों के जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में पोषण अभियान का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। यह अभियान मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी, भरतपुर एवं खड़गवां चारों एकीकृत बाल विकास परियोजनाओं में सक्रिय रूप से चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य गर्भवती एवं शिशुवती माताओं, शिशुओं और बालिकाओं के पोषण स्तर में सुधार करना तथा समुदाय को सही आहार और संतुलित पोषण की जानकारी देना है।

कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश और जिला कार्यक्रम अधिकारी आर. के. खाती के मार्गदर्शन में यह अभियान निरंतर प्रगति कर रहा है। परियोजना अधिकारियों की देखरेख में गांव-गांव जाकर लोगों को पोषण के महत्व से अवगत कराया जा रहा है। इसी क्रम में मनेन्द्रगढ़ परियोजना अंतर्गत चैनपुर एवं ग्राम पंचायत कठौतिया में विशेष पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

वन मंत्री केदार कश्यप ने की वन विभाग के काम-काज की समीक्षा

इको पर्यटन को बढ़ावा देने विस्तृत कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने इको पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना बनाने को कहा है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर संभाग में देखने, घूमने-फिरने और मनोरंजन के लिए कई आकर्षक केंद्र हैं। इन केन्द्रों तक आसान पहुंच मार्ग और कुछ बुनियादी सुविधाएं विकसित किए जाएं, तो और बड़ी संख्या में लोग पहुंच सकेंगे। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने के साथ छत्तीसगढ़ की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी बढ़ेगी। कश्यप आज बिलासपुर जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में बिलासपुर वन वृत्त के वरिष्ठ वन अधिकारियों की बैठक लेकर वन विभाग के काम-काज की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में पीसीसीएफ एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, प्रबंध संचालक, लघु वनोपज सहकारी

संघ अनिल साहू, पीसीसीएफ वन्य प्राणी अरुण पाण्डेय सहित अरण्य भवन के एपीसीसीएफ, सीसीएफ और वृत्त के सभी वन मंडल के डीएफओ उपस्थित थे।

वन मंत्री केदार कश्यप ने बैठक में विभागीय योजनाओं की वनमंडल वार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने तेंदूपत्ता पारिश्रमिक के बचे हुए भुगतान को दीपावली के पहले करने के निर्देश दिए। बैंक खाता की तकनीकी दिक्कतों का निदान कर तत्काल हितग्राही के खाते में भुगतान सुनिश्चित किया जाए। मंत्री कश्यप ने कहा कि अगले वर्ष में लगभग 12 लाख पुरुष संग्राहकों को चरण पादुका का वितरण किया जाएगा। इसके लिए उनके पैर का नाप जोख कर जल्दी भिजवाएं ताकि खरीदी की प्रक्रिया मुख्यालय स्तर से शुरू की जा सके। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन ने बंद पड़ी चरणपादुका योजना को फिर से शुरू की है। इस साल लगभग 12 लाख महिला संग्राहकों को चरण पादुका वितरित किया गया है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने अचानकमार अभ्यारण में बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि पर खुशी जाहिर की। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि शावक मिलाकर बाघों की संख्या पिछले दो-तीन साल में 5 से बढ़कर 18 हो गई है। कश्यप ने कहा कि अचानकमार सेंट्रल इंडिया का सबसे बड़ा पर्यटन हब बन सकता है। नजदीक में हवाई, रेल सहित सभी तरह की आवागमन की सुविधा यहां तक पहुंचाने के लिए अनुकूल हैं। उन्होंने अचानकमार से लगे क्षेत्रों में बड़े सेलिब्रिटी बुलाकर कार्यक्रम आयोजित प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। मंत्री कश्यप ने कहा की तखतपुर के कोपरा जलाशय को रामसर साइट बनाने के कार्य में तेजी लाया जाए। इसी तरह संभाग के वन क्षेत्रों में औरापानी, खुड़िया, कोटमी सोनार मगरमच्छ पार्क, गोमर्डा अभयारण्य, रामझरना रायगढ़, सत रेंगा कोरबा, बुका पिकनिक स्पॉट कटघोरा आदि अनेक दर्शनीय पर्यटन स्थल हैं, जिन्हें विकसित कर लोगों के लिए और आकर्षण का केंद्र बनाया जा सकता है। वन मंत्री कश्यप ने हाथी मानव द्वंद्व पर कहा की हमें हाथी के साथ रहने की आदत डालना होगा। उन्हें उनके रहवास से दूर अन्यत्र भागना नहीं है। लेकिन यह भी देखना होगा कि वह जनहानि या अन्य किसी तरह की हानि न कर पाए इसके लिए हमें स्वयं ही सचेत रहना पड़ेगा ताकि वे नुकसान ना कर सकें। कटघोरा वन मंडल में हाथी जागरूकता के लिए एआई आधारित ऐप की उपयोगिता की उन्होंने प्रशंसा की।

मंत्री कश्यप ने कहा की मैदानी क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में आदिवासी लोग रहते हैं। वन विभाग की योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उन्हें कैसे मिले इसे हमें देखना चाहिए।

भारत की जीत पर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी

रतलाम में नन्हें बच्चों ने तिरंगा लहराया; भारत माता की जय और जय-जय सिया राम की गूंज

रतलाम, एजेंसी। दरतलाम में भारत के एशिया कप जितने पर लोगों ने खुशी मनाई। गली, मोहल्लों में आतिशबाजी की गई। दो बत्ती चौराहा पर युवाओं में हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय के जयकारे लगाए। कई लोग फैमिली के साथ बच्चों के साथ तिरंगा लेकर पहुंचे। लोगों ने एक-दूसरे को भारत की जीत की बधाईयां दी। पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी भी की।

दुबई में रविवार रात टीम इंडिया ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया है। 147 रन का टारगेट भारत ने 20वें ओवर की चौथी बॉल पर ही पूरा कर लिया।

गरबा पंडालों में लहराया तिरंगा: ददो बत्ती पर सुरक्षा में मौजूद एएसपी राकेश खाखा के पास जश्न मना रहे बच्चे व युवाओं ने उनके पास पहुंच जीत की बधाई दी। कई गरबा पंडालों में तिरंगा लहराकर जीत का जश्न मनाते हुए गरबा रास किया। शहरवासियों ने कहा बड़ी खुशी की बात है कि आज शहीद भगतसिंह की जन्म जयंती थी। आज के दिन भारत की जीत की बहुत खुशी है।

140 करोड़ देशवासियों की यह जीत है। नवरात्रि में मां ने शक्ति दी। तिलक वर्मा ने देश के ऊपर तिलक लगा दिया। एएसपी खाखा ने कहा कि भारत की जीत पर शहरवासी यहां एकत्र हुए है। खुशी मना रहे है। पुलिस की पूरी व्यवस्था लगा रखी है।

एसपी रात में घूमते रहे: जीत के जश्न को लेकर पुलिस अधिकारी व बल मुस्तैद रहा। दो बत्ती पर एसपी अमित कुमार भी पहुंचे। युवाओं के झुंड को देख वहां से हटाया। पुलिस अधिकारी रात में शहर में भ्रमण करते रहे। सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, स्टेशन रोड थाना प्रभारी स्वराज डाबी भी पुलिस बल के साथ दो बत्ती पर तैनात रहे।

दोस्तों के साथ घूमने गया छात्र नदी में डूबा, मौत

दसवीं में पढ़ता था अल्फेज, पिकनिक स्पॉट हांडीकुंडी पर हादसा

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में दोस्तों के साथ घूमने गए एक छात्र की नदी में डूबने से मौत हो गई। हादसा हांडीकुंडी पिकनिक स्पॉट का है। दसवीं की पढ़ाई कर रहा था अल्फेज रविवार छुट्टी का दिन होने से घर से बाहर गया था। वह दो दोस्तों के साथ घूमने के लिए हांडीकुंडी चला गया। जहां गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव बरामद कर मर्ग कायम किया है। आज सोमवार को पोस्टमार्टम होगा।

गुलमोहर कॉलोनी का रहने वाला 16 वर्षीय अल्फेज पिता शकील अपने दोस्तों के साथ अमलपुरा के पास हांडीकुंडी पर पिकनिक मनाने गया था। इस दौरान सभी दोस्त नहाने के लिए पानी में उतर गए। अचानक से अल्फेज गहरे पानी में चला गया।

दोस्तों ने शोर मचाया, तभी आसपास के लोग मदद के लिए पहुंचे। मौके पर जावर पुलिस की टीम भी पहुंची। किशोर को बाहर निकाला और जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अल्फेज की मौत की खबर लगते ही अस्पताल में लोगों की भीड़ लग गई। उसके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सोमवार सुबह से पोस्टमार्टम किया जा रहा है। मृतक अल्फेज के परिजनों ने बताया कि वह दसवीं छात्र था। रविवार की छुट्टी होने की वजह से अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने चला गया था। जहां हादसे का शिकार हो गया, परिवार में मातम पसर गया हैं।

लगातार बारिश से खरगोन जिले में कपास फसल तबाह

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले में लगातार बारिश के कारण कपास की फसल को भारी नुकसान हुआ है। प्रदेश के सबसे बड़े कपास उत्पादक इस जिले में खेत से लेकर जिनिंग इकाइयों तक 2 करोड़ रुपए से अधिक के नुकसान का अनुमान है। अत्यधिक नमी के कारण कपास की गुणवत्ता प्रभावित हुई है, जिसके चलते मंडी में नीलामी एक सप्ताह के लिए रोक दी गई है।

जिले में पिछले एक सप्ताह से रुक-रुककर तेज बारिश हो रही है। इससे खेतों में खड़ी कपास की फसल को क्षति पहुंची है। किसान अपने घरों में कपास सुखाने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं जिनिंग संचालक भी अपने परिसरों में कपास सुखा रहे हैं। 25 प्रतिशत से अधिक नमी के कारण कपास की गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित हुई है।

करोड़ों के नुकसान का अनुमान: केके फायबर्स संचालक प्रितेश अग्रवाल ने बताया कि उनके जिनिंग परिसर में सूखने के लिए रखा गया 700 क्विंटल कपास बारिश और पानी भरने से गीला होकर बह गया। शहर के जिनिंग कारोबार को कुल 2 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। कपास की चमक खोने से उसकी गुणवत्ता समाप्त होने का खतरा बढ़ गया है।

बारिश के कारण किसान खेतों से कपास की चुनाई नहीं करा पा रहे हैं। मजदूरों की कमी और मंडी में खरीद बंद होने से गीला कपास पौधों से टूटकर गिर रहा है और बारिश में भीगकर काला पड़ रहा है। बारिश और कपास के गिरते भावों के कारण किसानों को भी एक करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है।

सागर की झांकी में अष्टभुजा मां दे रहीं आशीर्वाद

शेर की दहाड़ से गूंज रहा पंडाल; सरस्वती मंदिर में मां दुर्गा विराजीं

सागर, एजेंसी। सागर में नवरात्रि पर्व में देवी आराधना का दौर चल रहा है। भक्तों ने पंडालों में अलग-अलग स्वरूपों में माता की स्थापना की है। शहर के कजलीवन मैदान के पास संकट मोचन हनुमान मंदिर सदर में मां दुर्गा की आकर्षक झांकी लगाई गई है। यहां दर्शन करने रोज भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। अष्टभुजा स्वरूप में मां खड़ी होकर भक्तों को आशीर्वाद दे रही हैं।

संकटमोचन मंदिर दुर्गा समिति झूले वाली काली कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि झांकी में मां अपनी आठों भुजाओं को अलग-अलग मुद्राओं में उठाकर भक्तों को आशीर्वाद देती नजर आ रही हैं। सिर दसों दिशाओं में घूमता है। माता पलकें झपकती हैं। जिससे झांकी में जीवंतता का अनुभव होता है। श्रद्धालु इसे देखकर भावविभोर हो रहे हैं। 12 फीट लंबा मां का वाहन शेर विशेष आकर्षण का केंद्र है। यह करीब 4 फीट तक चलता है और दहाड़ता है। शेर की गर्जना से वातावरण गूंज उठता है। जैसे ही वह गर्जना करता है मातारानी के जयकारों से पंडाल गूंज उठते हैं। झांकी में यांत्रिक तकनीक का उपयोग किया है।

सरस्वती मंदिर में विराजीं मां दुर्गा: शहर के इतवारा क्षेत्र में स्थित बुंदेलखंड अंचल के एक मात्र मां सरस्वती मंदिर में मां दुर्गा की स्थापना की गई है। नवरात्रि के नौ दिनों तक यहां माता की आराधना की जा रही है। भक्त दोनों देवियों के दर्शन करने के लिए उमड़ रहे हैं। शाम होते ही मंदिर में भक्तों की भीड़ जमा होती है। इसके साथ ही यहां अन्य कार्यक्रम में भी आयोजित किए जा रहे हैं।

भारत ने एशिया-कप फाइनल में पाकिस्तान को हराया

पिपरिया में युवाओं ने मनाया जश्न; दिवाली से पहले मनी दिवाली

पिपरिया, एजेंसी। रविवार को दुबई में आयोजित एशिया कप क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। इस जीत के बाद पिपरिया के दुर्गा चौक पर युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों ने जमकर जश्न मनाया।

भारत ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 147 रन पर ऑल आउट कर दिया। पाकिस्तानी टीम अंतिम ओवरों में पांच गेंद शेष रहते ही पवेलियन लौट गई।

भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और जल्द ही तीन विकेट गिर गए। हालांकि, भारतीय बल्लेबाजों ने स्थिति को संभाला और अंतिम ओवरों में सूझबूझ भरी बल्लेबाजी करते हुए मैच को अंतिम ओवर में जीत लिया।

क्रिकेट प्रेमी ने इस जीत तो दिवाली बताया: नवरात्रि के अवसर पर, पिपरिया के दुर्गा चौक पर नगर पालिका की ओर से लगाई गई बड़ी स्क्रीन पर बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मैच देख रहे थे। जैसे ही भारतीय खिलाड़ी ने विजयी शॉट लगाया, भारत माता की जय और जय दुर्गे जय अंबे के नारे गूंज उठे। युवाओं ने इस जीत को दिवाली से पहले की दिवाली बताया।

सीहोर में हाउसिंग बोर्ड ओवरब्रिज निर्माण पर नाराजगी

सर्विस रोड न होने से नागरिक असंतुष्ट; कांग्रेस ने विरोध जताया और आंदोलन की चेतावनी दी

सीहोर, एजेंसी। सीहोर के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में बन रहे रेलवे ओवरब्रिज को लेकर स्थानीय निवासियों में असंतोष है। पुल के डिजाइन और दोनों ओर सर्विस रोड न होने से लोग नाराज हैं। क्षेत्र के निवासियों ने इस संबंध में अधिकारियों को कई ज्ञापन सौंपे हैं। अधिकारियों द्वारा सुनवाई न होने पर उन्होंने देवी जी को भी ज्ञापन दिया, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकला है।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती ने इस ओवरब्रिज के निर्माण पर विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि यह पुल नागरिकों के आवागमन के मापदंडों के अनुसार उचित नहीं है। गुजराती के अनुसार, पुराने हाईवे से प्रतिदिन हजारों स्कूली और कॉलेज विद्यार्थी गुजरते हैं। हाउसिंग बोर्ड, कृष्णा नगर और नगर सुधार न्यास जैसी कॉलोनियों के निवासियों का आवागमन भी इसी सर्विस रोड से होता है, जिससे सड़क पर भारी यातायात रहता है।

उन्होंने चिंता व्यक्त की कि ओवरब्रिज की ड्राइंग के समय ब्रिज कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि पुल जहां उतरेगा, वहां निजी भूमि आएगी। इसके परिणामस्वरूप केवल एक तरफ से सर्विस रोड दिया जा रहा है, जिससे सभी नागरिकों को एक ही तरफ से चढ़ना और उतरना पड़ेगा। यह स्थिति बाहरी वाहनों के साथ दुर्घटनाओं का अंदेशा बढ़ाती है।

गुजराती ने मांग की है कि पुल पर दोनों तरफ सर्विस रोड बनाया जाए ताकि नागरिकों को आवागमन में सुगमता हो और दुर्घटनाओं से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस सिंगल-वे ओवरब्रिज का विरोध करती है और जब तक दूसरी ओर से सर्विस रोड नहीं बन जाता, तब तक क्षेत्रीय नागरिकों के साथ मिलकर आंदोलन करने की तैयारी कर रही है।

रायसेन के यशवंत नगर पार्क में महाआरती

रायसेन, एजेंसी। रायसेन के यशवंत नगर पार्क में रविवार रात सिद्धि विनायक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा आयोजित मां दुर्गा की झांकी में महाआरती का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां पारंपरिक परिधानों में गरबा खेलने पहुंचीं।

महाआरती के लिए महिलाएं अपने घरों से दीपों की थाली सजाकर झांकी पंडाल पहुंचीं। उन्होंने दीपों से मां की आरती उतारी। पूरा पंडाल माता के जयकारों से गूंज उठा। समिति ने इस वर्ष मां जगदंबे की 10 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की है।

आरती के बाद गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कॉलोनी की महिलाओं, बालिकाओं और युवतियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। सभी ने अपने-अपने समूहों में हाथों में डांडिया लेकर गरबा किया। गरबा उत्सव में कई महिलाएं राजस्थानी और पारंपरिक सहित रंग-बिरंगे परिधानों में पंडाल पहुंची थीं।

स्कूटी सवार ने पुलिसकर्मी का कॉलर पकड़ा, पीटा

नीमच में सड़क पर स्टंट कर रहा था, रोकने पर भड़का; पहले भी पिस्टल लहरा चुका है

नीमच, एजेंसी। नीमच में स्कूटी से स्टंट कर रहे एक युवक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी से मारपीट कर दी। पुलिसकर्मियों ने युवक को स्टंट करने से रोका था। इससे युवक का गुस्सा भड़क गया। घटना रविवार देर शाम की है। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

युवक मेसी शोरूम चौराहे के बीच में स्कूटी को टेढ़ा-मेढ़ा चलाकर खतरनाक स्टंट कर रहा था। इससे ट्रैफिक जाम हो रहा था। आने-जाने वालों की जान को जोखिम भी था।

पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लिया: मामले की गंभीरता को देखते हुए कैंट थाना पुलिस ने फौरन कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को हिरासत में लिया। युवक की पहचान धनेरिया रोड बघाना निवासी सौरभ (38) पिता ताराचंद छाबड़ा के रूप में हुई है।

युवक स्टंट करता है, रोकने पर विवाद करता है: थाना प्रभारी पुष्पा चौहान ने बताया कि यह युवक अक्सर स्टंट करता है और रोकने पर आम लोगों से भी विवाद करता है। रविवार को इसने पुलिसकर्मी से मारपीट की, जो गंभीर अपराध है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने, मारपीट और लोक शांति भंग करने की अलग-अलग धाराओं के तहत रविवार देर रात मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सफाईकर्मियों को रोज व्यायाम करने की सलाह:मंदसौर में निशुल्क जांच शिविर; शुगर, ब्लड-प्रेशन और हीमोग्लोबिन की जांच

मंदसौर एजेंसी। मंदसौर के मल्हारगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य में नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों और अन्य स्टाफ के स्वास्थ्य की जांच की गई। इसमें उनकी रक्तचाप, शुगर, हीमोग्लोबिन और सामान्य बीमारियों की जांच हुई। जांच के बाद आवश्यक परामर्श भी दिया गया। इसके अतिरिक्त, सफाईकर्मियों को स्वच्छता, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। यह निशुल्क शिविरस्वस्थ नारीङ्क सशक्त परिवार अभियान औरसेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित हुआ। नगर परिषद के अधिकारियों ने इस अवसर पर कहा कि सफाई कर्मचारी शहर की स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस शिविर में बड़ी संख्या में सफाईकर्मियों ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने बताया कि बीमारियों की रोकथाम और समय पर उपचार के लिए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा किसेवा पखवाड़ा अभियान के तहत ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन लगातार किया जा रहा है, ताकि समाज के हर वर्ग को स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर किया जा सके।

बिना परमिट वाहन जब्त 1.97 लाख का चालान

राजगढ़ में नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई पंजीयन भी हो सकते हैं रद्द

राजगढ़, एजेंसी। राजगढ़ जिले में बिना परमिट और अधूरे दस्तावेजों के साथ चल रहे वाहनों पर परिवहन विभाग ने कार्रवाई की है। कई ऐसे वाहन जब्त किए गए, जो बिना अनुमति और सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर सड़कों पर दौड़ रहे थे। जांच के दौरान पाया गया कि कुछ वाहन पूरी तरह से बिना परमिट चल रहे थे, जबकि कई में आवश्यक कागजात और सुरक्षा उपकरणों का अभाव था।

विभाग ने परमिट शर्तों के उल्लंघन पर 1.50 लाख का चालान किया और अन्य धाराओं में 47,500 का जुर्माना लगाया। इस प्रकार कुल 1.97 लाख की राशि वसूल की गई।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई केवल शुरुआत है। यदि वाहन संचालक बार-बार नियमों का उल्लंघन करते हैं, तो केवल चालान ही नहीं, बल्कि उनके परमिट और पंजीयन भी रद्द किए जा सकते हैं। विभाग का मानना है कि इससे अन्य संचालकों को भी कड़ा संदेश मिलेगा।

परिवहन विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे अपने वाहनों के दस्तावेज रखें और सुरक्षा मानकों का पालन करें। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम केवल नियमों को लागू करने के लिए नहीं, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी आवश्यक है।

आने वाले दिनों में विभाग और भी कड़ी निगरानी रखेगा और नियम तोड़ने वालों पर बिना किसी रियायत के कार्रवाई की जाएगी।

बुरहानपुर नगर निगम ने 4 टन पॉलीथिन जब्त की :खंडवा-बुरहानपुर हाईवे से महाराष्ट्र ले जाई जा रही

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर में नगर निगम ने रविवार को बड़ी कार्रवाई की। खंडवा-बुरहानपुर मार्ग पर ट्रांसपोर्ट नगर स्थित नवरंग फ्रेट करियर से 4 टन पॉलीथिन जब्त की गई। यह पॉलीथिन बुरहानपुर से महाराष्ट्र के अंतुर्ली ले जाई जा रही थी।

सहायक आयुक्त स्वर्णिका वर्मा ने बताया कि सूचना मिलने पर टीम ने दबिश दी। जब्त किए गए पॉलीथिन बैग्स को नगर निगम के वाहन में भरकर कार्यालय ले जाया गया। टीम में गणेश पाटील, अजय कनाड़े और अशोक गोडियाले शामिल थे।

नगर निगम सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ समय-समय पर अभियान चला रहा है। सहायक आयुक्त ने स्पष्ट किया कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध है और ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

सुवासरा में 1.15 लाख की अवैध शराब जब्त

हुंडई वेन्यू कार से एक तस्कर गिरफ्तार, ड्राइवर फरार

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर जिले की सुवासरा थाना पुलिस ने रविवार को बसई कुरावन मार्ग पर नाकाबंदी के दौरान एक हुंडई वेन्यू कार से 10 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की है। जब्त शराब की कीमत 1,15,200 रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी संजय मालवीय को गिरफ्तार किया है, जबकि कार ड्राइवर फरार हो गया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बसई कुरावन रास्ते से अवैध शराब ले जाई जा रही है। सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी की। इस दौरान बसई की ओर से आ रही एक सफेद रंग की हुंडई वेन्यू कार (MP1yZA3688) तेज गति से आती दिखी। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन ड्राइवर ने बैरिकेड्स तोड़ दिए।

बैरिकेड्स तोड़ने के बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। कार ड्राइवर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। हालांकि, कार में बैठे संजय पिता रामलाल मालवीय (23), निवासी ग्राम धरोला, थाना आलोट, जिला रतलाम को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

मौके पर वेन्यू कार की तलाशी लेने पर उसमें कुल 10 पेटियां अंग्रेजी शराब भरी मिलीं। जब्त शराब में 2 पेटी आई.बी. क्वार्टर, 2 पेटी आई.बी. हाफ बोतल, 1 पेटी ऑल सीजन हाफ बोतल, 1 पेटी एम.डी. नंबर 1 क्वार्टर, 1 पेटी आर.एस. क्वार्टर, 1 पेटी एम.डी. नंबर 1 हाफ बोतल और 2 पेटी एम.डी. नंबर 1 बोतल शामिल हैं। कुल 88.56 बल्क लीटर शराब की कीमत 1,15,200 रुपए है। इसके अतिरिक्त, तस्करी में प्रयुक्त हुंडई वेन्यू कार (कीमत 10 लाख रुपए) भी जब्त की गई, जिससे कुल 11,15,200 रुपए का मशरुका जब्त हुआ।

पुलिस ने आरोपी संजय मालवीय और फरार आरोपी बबलू उर्फ राजेश प्रजापत, निवासी शामगढ़ के खिलाफ अपराध क्रमांक 295/25, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है और शराब तस्करी में लिप्त अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ जारी है।

अगर नकवी सिर्फ एसीसी चीफ होते, तो भारत ट्रॉफी स्वीकार कर लेता : दानिश कनेरिया

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 के ट्रॉफी वितरण विवाद पर पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर दानिश कनेरिया ने अपनी राय रखी है। कनेरिया के मुताबिक, अगर मोहसिन नकवी पाकिस्तान सरकार से सीधे तौर पर जुड़े होने के बजाय सिर्फ एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष होते, तो टीम इंडिया उनसे ट्रॉफी स्वीकार कर लेती।

कनेरिया ने आईएएनएस से कहा, मोहसिन नकवी पाकिस्तान सरकार में संघीय मंत्री हैं। अगर वह सिर्फ एसीसी प्रमुख या पीसीबी प्रमुख होते, तो भारत उनसे ट्रॉफी स्वीकार कर लेता, लेकिन चूंकि वह सीधे तौर पर पाकिस्तान सरकार से जुड़े हैं, इसलिए भारतीय खिलाड़ी उनसे दूर रहे।÷

पूर्व लेग स्पिनर ने सुझाव दिया है कि नकवी को स्टेज से हट जाना चाहिए था। इसके बजाय किसी अन्य अधिकारी को समारोह की जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, मोहसिन को यह काम किसी और को सौंप देना चाहिए था। उनके कई चेले वहां जरूर मौजूद रहे होंगे। उल्लेखनीय है कि भारत ने रविवार को दुबई में खेले गए खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 5 विकेट से जीत दर्ज की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, समारोह से पहले भारतीय टीम प्रबंधन ने अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी से पुरस्कार प्राप्त करने की इच्छा जताई थी, लेकिन नकवी ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। काफी देरी बाद जब पुरस्कार वितरण समारोह शुरू हुआ, तो भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव, सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने मंच पर मौजूद अन्य गणमान्य व्यक्तियों से अपने-अपने पुरस्कार प्राप्त किए। जब नकवी मंच पर आए, तो भारतीय टीम ने स्पष्ट कर दिया कि वह उनसे पुरस्कार स्वीकार नहीं करेंगे। कुछ देर बाद, एशिया कप ट्रॉफी को आयोजन स्थल से हटा दिया गया, जिससे टीम इंडिया को पुरस्कार नहीं मिला।

राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप - मणिकांता ने 100 मीटर में स्वर्ण पदक जीता

रांची, एजेंसी। पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक मणिकांता होबलीधर ने रविवार को राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बारिश से प्रभावित दिन में शानदार प्रदर्शन किया और पुरुषों की 100 मीटर दौड़ का खिताब 10.19 सेकंड में जीतकर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। 10.19 सेकंड किसी भी भारतीय धावक द्वारा अब तक का दूसरा सबसे तेज समय है।

मणिकांता का विजयी समय अनिमेष कुजूर के 10.18 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से केवल 0.01 सेकंड कम था। दौड़ के बाद, उन्होंने स्वीकार किया कि गीले ट्रैक ने उनके दौड़ने की गति में बाधा डाली। उन्होंने कहा, ÷मेरा लक्ष्य 10.10 मीटर का समय निकालना था, लेकिन गीले ट्रैक ने मेरी गति धीमी कर दी। मेरा लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में व्यक्तिगत पदक जीतना है।÷

ऊंची कूद की एथलीट गोबिका, जिन्होंने पहले ही 1.79 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीत लिया था, को और ऊंचा स्थान हासिल करने के प्रयास में दाहिने घुटने में गंभीर चोट लग गई। दर्द से कराहते हुए उन्हें स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा, जिससे दर्शक स्तब्ध रह गए। महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में, स्नेहा एस.एस. (11.62 मीटर) ने सुदेशना शिवंकर (11.64 मीटर) और अभिन्या राजराजन (11.67 मीटर) को कड़े मुकाबले में पीछे छोड़ दिया। अभिन्या कमर की समस्या बढ़ने के बाद दर्द से कराहते हुए गिर पड़ीं। उन्हें ट्रैक से बाहर ले जाया गया।

ओलंपियन क्वार्टर-मिलर राजेश रमेश ने अपनी दौड़ पूरी करने का सही समय निकाला और 80 मीटर की दूरी पर संतोष टी. को पीछे छोड़ते हुए सीजन के सर्वश्रेष्ठ 45.75 सेकंड के साथ पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। 110 मीटर बाधा दौड़ में, मानव आर. ने तेजस शिरसे की अनुपस्थिति में अपना खिताब बरकरार रखा और 13.97 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता।

सिवाच का विजयी गोल, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने आस्ट्रेलिया को हराया

कैनबरा, एजेंसी। कनिका सिवाच के गोल की मदद से भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने दौरे के तीसरे मैच में आस्ट्रेलिया अंडर 21 टीम को 1-0 से हराया। सिवाच ने 32वें मिनट में विजयी गोल दागा। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद भारत ने तीसरे क्वार्टर के शुरूआती मिनटों में सिवाच के गोल के दम पर बढ़त बना ली जो अंत तक कायम रही। भारत को इससे पहले आस्ट्रेलिया की अंडर 21 टीम ने दो मैचों में हराया लेकिन इस जीत से भारतीय टीम का आत्मविश्वास लौटा होगा। उसे अब आस्ट्रेलिया प्रीमियर हॉकी वन लीग खेलने वाले क्लब कैनबरा चिल से अगले दो मैच खेलने हैं।

पाकिस्तान की बेइज्जती के साथ खत्म हुआ ऑपरेशन व्हाइट बॉल, तिलक और अभिषेक ने जीता ये खिताब

दुबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप का खिताब जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम 9वीं बार एशिया कप चैंपियन बनी है। इस जीत के हीरो बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा रहे, जिन्होंने 53 गेंद पर नाबाद 69 रन की पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अभिषेक शर्मा प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे।

प्लेयर ऑफ द मैच तिलक वर्मा ने कहा, ÷दबाव था। वे अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे। वे गति में बदलाव कर रहे थे। मैं शांत रहने की कोशिश कर रहा था। सैमसन की शानदार पारी। दुबे ने दबाव में जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह देश के लिए मददगार और महत्वपूर्ण थी। हमने हर स्थिति के लिए तैयारी की है। आपको लचीला होना चाहिए। मैं किसी भी स्थिति में बल्लेबाजी करने के लिए तैयार था। मैं अपने खेल पर ध्यान दे रहा था। धीमी विकेट के लिए मैंने गौती सर से बात की थी और कड़ी मेहनत की थी। यह मेरे जीवन की सबसे खास पारियों में से एक है। यह सभी भारतीयों के लिए है।÷

प्लेयर ऑफ द सीरीज अभिषेक शर्मा ने कहा, ÷कार मिलना हमेशा खुशी की बात होती है। विश्व कप जीतने के बाद इस टीम में जगह बनाना किसी भी सलामी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं था। मैंने अपने खेल पर बहुत मेहनत की और आपको कोच और कप्तान का सहयोग चाहिए होता है, मुझे टूर्नामेंट की शुरुआत से ही यह मिल रहा था। अगर मुझे अच्छी शुरुआत मिलती है, तो मेरी टीम जीतेगी। कभी-कभी आप असफल भी हो सकते हैं, लेकिन आपको प्रक्रिया का पालन करना होगा। मेरी योजना थी कि अगर मुझे पावरप्ले में स्पिनर मिल गए, तो मैं पावरप्ले का इस्तेमाल करने की कोशिश करूंगा, चाहे कोई भी बेहतरीन तेज गेंदबाज़ हो, मैं पहली गेंद से ही शुरुआत करूंगा।÷

147 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 20 रन पर अभिषेक शर्मा 5, शुभमन गिल 12 और कप्तान सूर्यकुमार यादव 1 के रूप में तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद तिलक वर्मा ने संजू सैमसन के साथ चौथे विकेट के लिए 57 और शिवम दुबे के साथ पांचवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी कर भारत को 5 विकेट से जीत दिला दी। सैमसन 21 गेंद पर 24 और शिवम दुबे 22 गेंद पर 33 रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा 53 गेंद पर 4 छक्के और 3 चौके की मदद से 69 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके साथ रिंकू सिंह 1 गेंद पर 4 रन बनाकर नाबाद रहे। विजयी चौका रिंकू के बल्ले से निकला। भारत ने 19.4 ओवर में 5 विकेट पर 150 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीता। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को साहिबजादा फरहान और फखर जमान की जोड़ी ने मजबूत शुरुआत दी थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 9.4 ओवर में पहले विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की। साहिबजादा फरहान 38 गेंद पर 3 छक्के और 5 चौके की मदद से 57 रन बनाकर आउट हुए। भारत के खिलाफ यह उनका लगातार दूसरा अर्धशतक था। फखर जमान 35 गेंद पर 2 छक्के और 2 चौके की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने नहीं टिका और पूरी टीम 19.1 ओवर में 146 रन पर सिमट गई।

भारत के लिए कुलदीप यादव ने फिर बेहतरीन गेंदबाजी की। कुलदीप ने 4 ओवर में 30 रन देकर 4 विकेट लिए। अक्षर पटेल ने भी बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट लिए। वरुण चक्रवर्ती ने 4 ओवर में 30 रन देकर 2 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लिए।

ऑपरेशन व्हाइट बॉल : पाकिस्तान को धूल चटाने के बाद कप्तान सूर्यकुमार ने भारतीय सेना के नाम की मैच फीस

दुबई, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 का खिताब अपने नाम किया। पाकिस्तान को धूल चटाने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप टूर्नामेंट के सभी मुकाबलों की अपनी फीस भारतीय सेना और पहलगाम आतंकी हमले में पीड़ित परिवारों को दान देने का ऐलान किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीम इंडिया को खिताब जीतने पर बधाई देते हुए भारत-पाकिस्तान मैच के फाइनल की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से करते हुए लिखा, ÷खेल के मैदान में ऑपरेशन सिंदूर। नतीजा वही, भारत की जीत। हमारे खिलाड़ियों को बधाई।÷

रविवार को खेले गए खिताबी मुकाबले में पाकिस्तानी टीम शानदार शुरुआत के बावजूद 19.1 ओवरों में महज 146 रनों पर सिमट गई। पाकिस्तान के लिए साहिबजादा फरहान ने सर्वाधिक 57 रन बनाए, जबकि फखर जमां ने 46 रन की पारी खेली।

भारत की ओर से कुलदीप यादव ने 4 विकेट झटके, जबकि जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने 2-2 शिकार किए। जवाब में भारत ने 19.4 ओवरों में मुकाबला अपने नाम किया। टीम इंडिया की ओर से तिलक वर्मा ने 53 गेंदों में नाबाद 69 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे ने 33 रन टीम के खाते में जोड़े। पाकिस्तान की ओर से फहीम अशरफ को सर्वाधिक 3 विकेट हाथ लगे।

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत की जीत के बाद काफी बवाल देखने को मिला। खिताब अपने नाम करने के बाद भारतीय टीम ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया।

मैच खत्म होने के करीब दो घंटे तक ड्रामा चला। नकवी ट्रॉफी के साथ स्टेज पर खड़े थे, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से साफ इनकार कर दिया। आखिरकार, फैसला लिया गया कि भारतीय टीम अवॉर्ड नहीं लेगी।

हारिस रऊफ पर भड़के वसीम अकरम, भारत के खिलाफ रन मशीन गेंदबाज बताया

दुबई, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम तेज गेंदबाज हारिस रऊफ के प्रदर्शन से नाखुश हैं, जिन्होंने भारत के खिलाफ खिताबी मैच में 50 रन लुटाए। अकरम ने उन्हें रन मशीन गेंदबाज तक बता दिया है।

अकरम ने सोनी स्पोर्ट्स पर कहा, दुर्भाग्य से रऊफ एक गेंदबाज के तौर पर रन मशीन हैं, खासकर भारत के खिलाफ। सिर्फ मैं उनकी आलोचना नहीं कर रहा, बल्कि पूरा देश उनकी आलोचना कर रहा है, और वह रेड बॉल क्रिकेट भी नहीं खेलते। वह नहीं सुधरेंगे। अगर वह टेस्ट नहीं खेलेंगे, तो आप अपनी टीम में ऐसा खिलाड़ी नहीं चाहेंगे, जो टेस्ट क्रिकेट खेलने से इनकार करे।

अकरम ने कहा, उनके पास नियंत्रण नहीं है, क्योंकि वह रेड बॉल से क्रिकेट नहीं खेलते। इसके बारे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को सोचना होगा। अगर आप अपनी गेंदबाजी की लेंथ सुधारना चाहते हैं, तो आपका रन-अप भी स्मूद होना चाहिए। उनका रन-अप उतना स्मूद नहीं है। मैं वकार यूनुस से बात कर रहा था और मैंने पूछा कि वह पिछले चार-पांच साल से खेल रहे हैं, फिर भी उनका रन-अप क्यों नहीं सुधरा? उन्होंने कहा कि वो रेड-बॉल क्रिकेट खेलते ही नहीं हैं।

भारत ने पाकिस्तान को दुबई में खेले गए खिताबी मुकाबले में 5 विकेट से हराकर एशिया कप खिताब अपने नाम कर लिया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम 19.1 ओवरों में 146 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में भारत ने 19.4 ओवरों में पांच विकेट शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

तिलक वर्मा भारत की जीत के हीरो रहे, जिन्होंने 53 गेंदों में 4 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 69 रन की नाबाद पारी खेली। भारत ने एशिया कप के इस संस्करण में पाकिस्तान को लगातार तीन मुकाबलों में शिकस्त दी है।

रोहन जेटली बीसीसीआई की इंफ्रास्ट्रक्चर समिति के अध्यक्ष चुने गए

मुंबई, एजेंसी। दिल्ली जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की इंफ्रास्ट्रक्चर समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बीसीसीआई की 94वीं वार्षिक आम बैठक रविवार को बोर्ड मुख्यालय में संपन्न हुई। दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास, रोजर बिन्नी के स्थान पर नए अध्यक्ष बने। राजीव शुक्ला और देवजीत सैकिया को क्रमशः उपाध्यक्ष और सचिव के रूप में फिर से चुना गया। मन्हास, शुक्ला, सैकिया, भाटिया और भट बीसीसीआई के नए पदाधिकारी हैं। भाटिया और भट को क्रमशः संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त, जयदेव शाह को बीसीसीआई की शीर्ष परिषद में आम सभा का प्रतिनिधि चुना गया। अरुण सिंह धूमल और एम. खैरुल जमाल मजूमदार, इंडियन प्रीमियर लीग गवर्निंग काउंसिल के लिए चुने गए।

बीसीसीआई ने पुरुष और महिला चयन समितियों का भी गठन किया, जिसमें अजीत अगरकर पुरुष समिति के अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगे और पूर्व क्रिकेटर अमिता शर्मा महिला समिति की नई अध्यक्ष चुनी गईं।

पुरुष समिति में अगरकर के साथ शिव सुंदर दास, अजय रात्रा और पूर्व भारतीय क्रिकेटर आर. पी. सिंह और प्रज्ञान ओझा शामिल होंगे, जबकि महिला समिति में अमिता के साथ श्यामा डे, सुलक्षणा नाइक, जया शर्मा और श्रावंती नायडू शामिल होंगी।

सूर्यकुमार ने ट्रॉफी से वंचित करने के लिए ACC की आलोचना की, कहा- मैंने एसा कभी नहीं देखा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ACC (एशियाई क्रिकेट परिषद) की आलोचना की है क्योंकि उनकी टीम को फाइनल में पाकिस्तान पर जीत के बाद एशिया कप ट्रॉफी नहीं दी गई। यह तब हुआ जब भारतीय टीम ने ष्टष्ट के अध्यक्ष और PCB (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार की तीखी टिप्पणी: सूर्यकुमार ने कहा, यह एक ऐसी चीज है जो मैंने पहले कभी नहीं देखी। जब से मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया है, मैं क्रिकेट पर नजर रख रहा हूं। एक चैंपियन टीम को ट्रॉफी से वंचित कर दिया जाता है। वह भी कड़ी मेहनत से अर्जित की गई। ऐसा नहीं है कि यह आसानी से हुआ। लेकिन यह कड़ी मेहनत से मिली जीत थी। हम 4 तारीख से यहां हैं और आज एक मैच खेला। दो दिनों में लगातार दो अच्छे मैच। मुझे लगता है कि हम इसके हकदार थे। और मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। मुझे लगता है कि मैंने इसे वास्तव में अच्छी तरह से अभिव्यक्त किया है।

उन्होंने आगे कहा, अगर आप मुझे ट्रॉफियों के बारे में बताएं, तो मेरी ट्रॉफियां मेरे ड्रेसिंग रूम में रखी हैं। सभी 14 खिलाड़ी मेरे साथ हैं। पूरा सपोर्ट स्टाफ भी मेरे साथ है। ये असली ट्रॉफियां हैं। एशिया कप के इस पूरे सफर में मैं इन खिलाड़ियों का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। जब से हम यहां आए हैं, हमने यह टूर्नामेंट खेला है। हमने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। मुझे लगता है कि ये असली ट्रॉफियां हैं। असली पल जिन्हें मैं प्यारी यादों के रूप में अपने साथ ले जा रहा हूं, जो आगे भी हमेशा मेरे साथ रहेंगी। बस इतना ही।

भारत ने जीता 9वां एशिया कप खिताब: भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर रिकॉर्ड 9वां एशिया कप खिताब जीत लिया। यह भारतीय टीम के लिए एक शानदार जीत थी, जिसने 147 रनों के लक्ष्य को केवल दो गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। तिलक वर्मा ने नाबाद 69 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। शिवम दुबे ने भी भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, उन्होंने 22 गेंदों पर 33 रन बनाए और तिलक के साथ 60 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

ऑपरेशन व्हाइट बॉल : AI सेलिब्रेशन के साथ सूर्यकुमार यादव ने मोहसिन नकवी को दिखाया आईना

दुबई, एजेंसी। पाकिस्तान के विरुद्ध एशिया कप 2025 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने बगैर ट्रॉफी के ही जीत का जश्न मनाया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सोशल मीडिया पर एआई जनरेटेड तस्वीर साझा की, जिसमें उनके साथ तिलक वर्मा ट्रॉफी पकड़े नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी टीम और मोहसिन नकवी को आईना दिखाया है। इस तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। भारत के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने अभिषेक शर्मा के साथ कुछ ऐसी ही एआई जनरेटेड तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं। तस्वीर के कैप्शन में उन्होंने हंसी और ट्रॉफी वाली इमोजी लगाई है। मोहसिन नकवी पाकिस्तान के गृह मंत्री और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष भी हैं, जिन्हें भारत विरोधी रवैये

के लिए जाना जाता है। यह जानते हुए कि भारतीय टीम उनसे ट्रॉफी लेना पसंद नहीं करेगी, मोहसिन नकवी काफी देर मंच पर रहे। किसी अन्य अधिकारी ने भारतीय टीम को ट्रॉफी नहीं सौंपी। जब भारतीय टीम मंच पर ट्रॉफी लेने नहीं पहुंची, तो आयोजक ट्रॉफी वापस ले गए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने नकवी की हरकत पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा है कि जल्द ही ट्रॉफी भारत को मिल जाएगी। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि उन्होंने पहली बार ऐसा देखा, जब चैंपियन टीम को ट्रॉफी नहीं दी गई। हालांकि, उन्होंने अपने साथी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को ही असली ट्रॉफियां बताया। दुबई में रविवार को खेले गए खिताबी मुकाबले में भारत ने 5 विकेट से जीत दर्ज की। पाकिस्तानी टीम को 19.1 ओवरों में 146 रन पर समेटने के बाद भारत ने 19.4 ओवरों में जीत दर्ज कर ली।

बेहतर भविष्य के लिये स्वास्थ्य की जांच आवश्यक: उप मुख्यमंत्री

सेवा पखवाड़ा, स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत कन्या महाविद्यालय में आयोजित हुआ स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि बेहतर भविष्य के लिये स्वास्थ्य की जांच आवश्यक है। सेवा पखवाड़ा अन्तर्गत स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान में लगाये जा रहे स्वास्थ्य शिविर में सभी किशोरी बालिकाएँ तथा महिलाएँ अपने स्वास्थ्य की जांच अवश्य करायें और शिविर का लाभ लें। कन्या महाविद्यालय में स्वास्थ्य शिविर में किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य की जांच की गई।

कन्या महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ रहने पर ही सुखी रहा जा सकता है। इस लिए आवश्यक है कि शरीर की जांच हो तथा यदि कोई बीमारी निकले तो उसका उपचार हो सके। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य शिविर में किशोरी बालिकाओं के आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ एकाउण्ट) कार्ड बनाये जा रहे हैं जिसमें जांच का विवरण रहेगा और चिकित्सक संबंधित को उचित परामर्श दे सकेंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान निःशुल्क जांच एवं जागरूकता का अभियान है जिसका लाभ हर किशोरी बालिका अवश्य ले और हमारा प्रदेश व जिला सबसे ज्यादा जांच एवं स्क्रीनिंग करने वाला बने। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर्स व स्टाफ को निर्देश दिये कि कन्या महाविद्यालय में आयोजित शिविर में एक-एक किशोरी बालिका के स्वास्थ्य की जांच करें यदि आवश्यक हो तो दूसरे दिन भी शिविर लगायें।

कार्यक्रम में सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि किशोरी बालिकाएँ स्वस्थ रहने के लिये नियमित दिनचर्या अपनायें, भरपूर नीद लें तथा मानसिक स्वास्थ्य के लिये मोबाइल का उपयोग कम करें। उन्होंने कहा कि यह अभियान स्वावलंबन व महिला सशक्तीकरण के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। सभी किशोरी बालिकाएँ जांच के उपरांत डॉक्टर्स का परामर्श भी लें। इससे पूर्व स्वागत उद्बोधन प्राचार्य डॉ. विभा श्रीवास्तव ने दिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ला ने अभियान के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि रीवा जिला प्रदेश में हीमोग्लोबिन जांच में तीसरे स्थान पर है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी, सीएमएचओ डॉ. प्रतिभा मिश्रा, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ. आरपी सिंह, डॉ. बीनू कुशवाहा, विधायक प्रतिनिधि विवेक दुबे, अनिल पटेल, केके गर्ग, डॉ. विशाल मिश्रा सहित चिकित्सक, महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा छात्राएँ उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस पर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी की विशेष अपील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला अंतर्गत जनपद पंचायत जवा के सामाजिक सुरक्षा अधिकारी अमित पांडे ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस के अवसर पर एक विशेष अपील की है। उन्होंने कहा कि भारत में 14.38 करोड़ बुजुर्ग हैं, लेकिन उनकी देखभाल और सम्मान के मामले में हम कई देशों से पीछे हैं।

अमित पांडे ने बताया कि अधिकांश परिवारों में बुजुर्गों को अलग-थलग कर दिया जाता है, उनकी बातें अनसुनी कर दी जाती हैं, और कई बार आर्थिक ज़रूरत के चलते उन्हें भीख मांगने जैसी स्थिति का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने कहा, जब माता-पिता ने हमें चलना, बोलना और जीवन जीना सिखाया, तो बुढ़ापे में उनके प्रति क्रूरता क्यों? उन्होंने युवाओं से अपील की कि माता-पिता को छोड़कर कोई सुखी नहीं हुआ, न कभी होगा।

पांडे ने आगे कहा कि कैसी हो मां? और कैसे हो पिताजी? ये चार शब्द ही बुजुर्गों को जीवन का सबसे बड़ा सुख देते हैं।

अंत में, उन्होंने कहा कि सही मायनों में नवरात्रि माता-पिता की सेवा के बिना निष्फल है। इसलिए सभी लोगों से अनुरोध है कि वे माता-पिता का सम्मान करें और उनकी देखभाल करें।

थार ने स्कूटी सवार परिवार को कुचला, भाई की मौत, बहन के हाथ-पैर टूटे; अस्पताल में कार छोड़कर भागा चालक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एक थार ने स्कूटी पर जा रहे परिवार को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौत हो गई, उसकी बहन के हाथ-पैर टूट गए। वहीं मां घायल हैं। लोगों के घेरने पर थार चालक घायलों को अस्पताल लेकर पहुंचा। इसके बाद वह कार वहीं छोड़कर भाग गया। घटना रविवार रात सेमरिया थाना क्षेत्र के बीड़ा गांव की है। एक व्यक्ति तेज थार चलाते हुए बर्थडे पार्टी से लौट रहा था। मृतक सहित घायलों को वाहन से उतारने के बाद वहां संजय गांधी अस्पताल परिसर में वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

पिता बोले- भतीजे की वर्षगांठ में गया था परिवार: मृतक के पिता मुनीम प्रसाद गौतम निवासी गोडहर ने बताया कि उनका बेटा पुष्पेंद्र गौतम उसकी बहन प्राची गौतम सहित मां केशकली गौतम भतीजे के वर्षगांठ में शामिल होने मउहरा गए थे। जहां से लौटते वक्त तेज रफ्तार रीवा से आ रही थार ने स्कूटी को कुचल दिया। जिसमें पुष्पेंद्र की मौत हो गई, प्राची के दोनों हाथ पैर टूट गए और केसकली गंभीर रूप से घायल हो गई।

घटना स्थल से ही भागना चाहता था चालक: लोगों ने बताया पहले तो थार चालक घटनास्थल से भागने की फिराक में था लेकिन स्थानीय निवासियों ने उसे घेर लिया। इसके बाद वह दुर्घटना में घायल हुए स्कूटी सवार सभी सदस्यों को थार जीप की पिछली सीट में लेकर संजय गांधी अस्पताल पहुंचा। यहां सभी को वाहन से उतारने के बाद थार जीप को लॉक कर मौके से फरार हो गया।घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची अमहिया पुलिस में दुर्घटना करने वाली थार जीप को अपने कब्जे में लेते हुए वाहन चालक और उसके मालिक की तलाश शुरू की है। थाना प्रभारी अमहिया शिवा अग्रवाल का कहना है कि पुलिस ने दुर्घटना कार्य करने वाले वाहन को जब्त कर लिया है। दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन चालक और मालिक के संबंध में पुलिस पड़ताल कर रही है।

ट्रक के कुचलने से मोटरसाइकिल सवार नगर परिषद कर्मचारी की मौत, पटवारी गंभीर रूप से घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सिरमौर विधानसभा क्षेत्र से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां डभौरा रोड पर अचानक दो मोटरसाइकिलों की टक्कर के बाद सड़क पर गिरे नगर परिषद सिरमौर के कर्मचारी को तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने कुचल दिया। हादसा इतना भयानक था कि कर्मचारी का सिर और एक हाथ धड़ से अलग होकर चकनाचूर हो गए।

खून से लथपथ सड़क पर बिखरे शव को देखकर पहचानना मुश्किल हो रहा था। बताया जाता है कि नगर परिषद सिरमौर में पदस्थ स्वच्छता सहायक गौरव पांडेय और तराई अंचल जवा की तरफ से आ रहे दो राजस्व कर्मचारियों की भिड़ंत हो गई थी। दोनों मोटरसाइकिल सवार सड़क पर गिरे पड़े थे, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें रौंद दिया।

इस दुर्घटना में गौरव पांडेय की मौत हो गई, जबकि दोनों राजस्व कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए रीवा रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही सिरमौर थाना प्रभारी दीपक तिवारी, नगर परिषद अध्यक्ष संदीप सिंह, मुख्य नगरपालिका अधिकारी संतोष सिंह, और समाजसेवी सुरेश मिश्रा मौके पर पहुंचे और शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजा गया।

दुर्घटना कारित ट्रक को स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस थाने में खड़ा किया गया है, जबकि चालक और परिचालक घटना के बाद से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि उक्त ट्रक नगर परिषद डभौरा के अध्यक्ष का है। नगर परिषद अध्यक्ष और मुख्य नगर परिषद अधिकारी ने मृतक के परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

मनगवां थाना क्षेत्र में सनसनीखेज मामला...

72 वर्षीय वृद्ध पर परिवार सहित हमला, पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की धमकी - पुलिस कार्रवाई के इंतजार में पीड़ित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के मनगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धवैया में एक 72 वर्षीय वृद्ध पर परिवार सहित हमला करने का मामला सामने आया है। वृद्ध ने थाने में लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया है कि आरोपीगण उनके घर में जबरन घुस आए, हथियारों से हमला करने की कोशिश की और जान से मारने की नीयत से आग लगाने की धमकी भी दी। प्रार्थी रामस्वयंबर त्रिपाठी पिता स्व. इंद्रभान प्रसाद त्रिपाठी, उम्र 72 वर्ष, निवासी ग्राम धवैया 290, पोस्ट रघुराजगढ़, थाना मनगवां ने बताया कि दिनांक 04 सितंबर 2025 को दोपहर करीब 1 बजे गांव के ही बाल्मीक त्रिपाठी, उनकी पत्नी अन्नपूर्णा त्रिपाठी और पुत्र नारायण प्रकाश त्रिपाठी उनके घर में जबरन घुस आए। आरोप है कि बाल्मीक के हाथ में सब्बल, पत्नी के हाथ में पेट्रोल भरा गैलन और बेटे के पास कट्टा था।

जमीनी विवाद को लेकर तीनों ने गाली-गलौज करते हुए वृद्ध से मारपीट शुरू कर दी। बाल्मीक ने सब्बल से हमला करने की कोशिश की, जबकि उसकी पत्नी और बेटा बार-बार जान से मारने की धमकी देते रहे। अपनी जान बचाने के लिए वृद्ध अपने कमरे में भागे और दरवाजा बंद कर लिया। उस समय घर में उनकी पत्नी भी मौजूद थी।

धमकी और फरारी: प्रार्थी का कहना है कि हमलावर दरवाजा तोड़ने का प्रयास करते हुए चिल्ला रहे थे कि बाहर निकलो, नहीं तो घर में आग लगाकर सबको जिंदा जला देंगे। तभी शोर सुनकर उनका नाती घर पहुंचा। नाती को देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए अपनी गाड़ी नंबर यूपी 70 एफएम 6209 से भाग निकले।

पुलिस से शिकायत, कार्रवाई नहीं: घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने डायल-100 पर सूचना दी। लेकिन मौके पर पुलिस नहीं पहुंची। करीब 2:30 बजे तक इंतजार करने के बाद वे थाने पहुंचे, जहां से उन्हें मानिकवार चौकी भेज दिया गया। मगर चौकी से लेकर अब तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है।

पीड़ित की गुहार: वृद्ध रामस्वयंबर त्रिपाठी का कहना है कि आरोपी बार-बार धमकी दे रहे हैं, जिससे उन्हें और उनके परिवार को लगातार जान का खतरा बना हुआ है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक और थाना प्रभारी से मामले को गंभीरता से लेकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो।

पुलिस ने झपटमारी के आरोपियों को किया गिरफ्तार, नशीली सिरप भी बरामद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अमहिया थाना प्रभारी उप निरीक्षक शिवा अग्रवाल के नेतृत्व में थाना अमहिया में फरियादिया पुष्पा सोनी द्वारा अज्ञात 2 आरोपियों के विरुद्ध पर्स एवं मोबाइल फोन लूट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

इस रिपोर्ट पर थाना अमहिया में मामला पंजीबद्ध किया गया। थाना अमहिया पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की। इस दौरान कंट्रोल रूम रीवा से सूचना मिली कि काले रंग की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल में सवार दो व्यक्ति ज्ञानस्थली स्कूल और फूलमती माता मंदिर के पास से झपटमारी की घटना को अंजाम देकर भाग गए।

पुलिस ने अर्जुन नगर रोड में आश्रम के सामने वाहन चेकिंग लगाई। चेकिंग के दौरान काले रंग की मोटरसाइकिल में आए दोनों व्यक्तियों को रोका गया। उनकी तलाशी लेने पर गाड़ी में छुपाई हुई सफेद रंग की बोरी में नशीली कफ सिरप पाई गई।

संदेहियों के कब्जे से 40 सीसी ऑनरेक्स कफ सिरप बरामद की गई। आरोपियों ने झपटमारी की घटना को स्वीकार किया। पुलिस ने लूट की संपत्ति जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां उन्हें केंद्रीय जेल रीवा भेज दिया गया।

राजरानी सेवा संस्थान के दिव्यांग बच्चों के हस्त निर्मित सामग्रियों की उपमुख्यमंत्री ने की सराहना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। लोकप्रिय कला उत्सव मेले का शुभारंभ 27 सितंबर को भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता एवं मनीषा पाठक द्वारा किया गया। यह मेला लक्ष्मी सोसाइटी एवं नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय न्यास (नेशनल ट्रस्ट) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से पंजीकृत संस्था राजरानी सेवा संस्थान के दिव्यांग बच्चों द्वारा हस्त निर्मित सामग्रियों की प्रदर्शनी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कला उत्सव मेला रीवा शहर का अत्यंत लोकप्रिय आयोजन है, जिसमें दिव्यांग बच्चों द्वारा हस्त निर्मित सामग्रियों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जाता है। इस मेले में स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान किया गया, जिससे उनके हुनर को पहचान मिल सके।

द्वितीय दिवस (28 सितंबर) पर मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला विशेष रूप से पधारे।

उन्होंने संस्था में किए जा रहे कार्यों और दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा की सराहना की और हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया।

संस्थान ने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी कला उत्सव जैसे आयोजन स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से निरंतर होते रहेंगे, जिससे दिव्यांग बच्चों को अपने कल का प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त होगा।

वाहन की टक्कर से मजदूर गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवराजपुर जंगल चौकी के पास सोमवार को एक श्रमिक अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है।

घायल श्रमिक की पहचान डिहिया गांव निवासी कमलेश साकेत (45 वर्ष) पिता सूर्यवंश साकेत के रूप में हुई है। कमलेश दैनिक मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। वे प्रतिदिन की तरह सोमवार को भी मजदूरी के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान शिवराजपुर जंगल चौकी के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

श्रीयुत श्रीधर मिश्रा के निधन पर शोक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सिरमौर ब्लॉक के ग्राम बदराव गौतमान के प्रतिष्ठित गौतम परिवार में जन्मे सरल, सहज और मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी श्रीयुत श्रीधर मिश्रा जी का 23 सितंबर 2025 को 85 वर्ष की आयु में उनके गृहग्राम में निधन हो गया।

वे लोक निर्माण विभाग में अनुविभागीय अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त थे और अशोक शुक्ला, डिविजनल इंजीनियर (से.नि. विद्युत विभाग) सतना तथा डॉ. सत्यलता मिश्रा के ससुर और अभिलाष मिश्रा (रिंकू) के पिता थे।

श्रीधर मिश्रा अपने पीछे धर्म पत्नी सहित एक भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं, जिसमें 2 बहुएं, बेटा, बेटी-दामाद, नाती और नतिनी शामिल हैं। उनके निधन पर परिजनों, रिश्तेदारों, और इष्ट-मित्रों सहित समूचे क्षेत्र के लोगों ने शोक संवेदना प्रकट की है।

शोक में प्रमुख रूप से अरुण गौतम, रामायण गौतम, सुखीनंद गौतम, डॉ. प्रीतम गौतम, नित्यानंद गौतम, अभय मिश्रा (विधायक सेमरिया रीवा), महाबली गौतम, सनत गौतम, पिंकू गौतम, दिनेश शुक्ला, प्रकाश त्रिपाठी, संतोष गौतम, डॉ. सत्यलता मिश्रा, अशोक-कल्पना शुक्ला, अभिलाष-अभिलाषा मिश्रा, यमुना प्रसाद तिवारी, ए.के. मिश्रा, दिनकर पांडे, अम्बरीष पांडे, आशुतोष गौतम, बनमाली गौतम, लाला गौतम, संतोष उपाध्याय, सतीश शर्मा, गोरेलाल उर्मलिया आदि शामिल हैं।

खरीदी केन्द्रों में धान के सुगमता से उपार्जन की व्यवस्था करें, सभी हितग्राहियों का 5 अक्टूबर तक ईकेवाईसी कराएं : शमी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में अपर मुख्य सचिव खाद्य विभाग रश्मि अरूण शमी ने धान उपार्जन की तैयारियों तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली की समीक्षा की। शमी ने कहा कि इस वर्ष समय पर मानसून और अच्छी वर्षा के कारण संभाग के सभी जिलों में धान का उत्पादन गत वर्ष की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत अधिक रहने का अनुमान है। इसे ध्यान में रखते हुए धान उपार्जन की मात्रा निर्धारित करें। सभी खरीदी केन्द्रों में धान के सुगमता से उपार्जन की व्यवस्था करें। कलेक्टर जिला उपार्जन समिति की बैठक में उपार्जन से जुड़े सभी

बिन्दुओं की समीक्षा करके आवश्यक प्रबंध कराएं। खरीदी केन्द्रों में किसानों के लिए छाया, पानी, विश्राम, शौचालय, धान के सुरक्षित भण्डारण, धान को साफ करने तथा अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

बैठक में अपर मुख्य सचिव ने कहा कि समय पर धान खरीदी केन्द्र के प्रस्ताव भेजें। गोदाम स्तर पर ही अधिक से अधिक खरीदी केन्द्र बनाने का प्रयास करें जिससे परिवहन की आवश्यकता न रहे। धान की गुणवत्ता की कड़ाई से जाँच करें। खरीदी केन्द्रों में प्रशिक्षित सर्वेयर अनिवार्य रूप से तैनात रखें। कलेक्टर तथा अन्य अधिकारी नियमित रूप से भ्रमण करके उपार्जन की निगरानी करें। उपार्जन के लिए पंजीकृत धान के रकबे का तहसीलदारों के माध्यम से शत-प्रतिशत सत्यापन कराएं। पंजीयन में केवल आधार से लिंक बैंक खाते ही मान्य करें जिससे किसानों को तीन दिन की समय सीमा में भुगतान किया जा सके। मिलर्स को बकाया राशि का भुगतान कराकर खरीदी केन्द्रों से ही मिलिंग के लिए धान का उठाव कराएं। जिन खरीदी केन्द्रों में पिछले वर्षों में उपार्जन में गड़बड़ी हुई है उन पर कड़ी निगरानी रखें।

बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की समीक्षा करते हुए कहा कि खाद्यान्न का समय पर उठाव और वितरण कराएं। हर उचित मूल्य दुकान पर सेल्समैन नियुक्त करें। उचित मूल्य दुकानों का नियमित संचालन सुनिश्चित करें। खाद्य सुरक्षा योजना में ई केवाईसी संभाग में 89 प्रतिशत हो गया है। मऊगंज, सिंगरौली तथा सीधी शेष बचे हितग्राहियों का भी ई केवाईसी कराएं। सभी हितग्राहियों का 5 अक्टूबर तक शत-प्रतिशत ई केवाईसी सुनिश्चित करें। कलेक्टर जिला आपूर्ति अधिकारी के माध्यम से अपात्र व्यक्तियों की सूची तैयार कर उनके नाम पोर्टल से पृथक कराएं। इसी तरह पात्र हितग्राहियों की खाद्यान्न पर्ची भी जारी कराएं। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि एक सप्ताह में सभी उचित मूल्य दुकानों में आवंटित खाद्यान्न का सत्यापन कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।